गुस्ताखी माफ

अस्पताल होता खड़ा, लगते कई करोड़।
यूं मरीज को छीलना, कैसे दें हम छोड़।
कैसे दें हम छोड़, बड़े लगते हैं पैसे।
तभी डिग्रियां मिलें, बनें हॉस्पीटल ऐसे।
कह साहिल कविराय, छोड़ दें अगर अधूरे।
कहिए कैसे करें, खर्च ये सारे पूरे।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 104 | SATURDAY 25-04-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

चुनाव 2027: भाजपा का पंजाब पर फोकस

हाथ में कमल थाम राघव चढ़ा समेत राज्य सभा के 7 सांसद बोले 'हम आपके है कौन'

लुधियाना यूटर्न 24 अप्रैल। अशोक सहगल पंजाब में 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने अपनी मंशा स्पष्ट करनी शुरू कर दी है कि अब इसका फोकस पंजाब पर है इसका एक उदाहरण आज उसे समय सामने आया जब आम आदमी पार्टी (अअढ) के सात राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सांसद हैं उनमें से दो तिहाई सांसदों ने भाजपा में शामिल होना यह भी दशार्ता है कि आम आदमी पार्टी चाह कर भी अपने सांसदों की सदस्यता रद्द करने के लिए कुछ नहीं कर सकती क्योंकि नियमों के अनुसार अगर कोई एक का सांसद पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल होता है तो दल बदलू कानून के तहत उसकी सदस्यता रद्द की जा सकती है परंतु अगर किसी भी पार्टी के दोस्त तिहाई सांसद अपनी पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल हो जाए तो वहां पर यह कानून लागू नहीं होता भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राघव चढ़ा अशोक कुमार मित्तल तथा संदीप पाठक का पार्टी में आने का स्वागत किया है अन्य सांसदों में विक्रमजीत सिंह साहनी हरभजन सिंह स्वाति मालीवाल तथा राजेंद्र गुप्ता शामिल है इसके साथ ही आम आदमी पार्टी की टीम के राज्यसभा में रह गए सांसदों में संजय सिंह संत बलबीर सिंह सींचेवाल तथा एनडी गुप्ता है इससे पहले लोकसभा में आम आदमी पार्टी के 3 सांसद थे और राज्यसभा में 10 इन तीन सांसदों में गुरमीत सिंह मीत हर राजकुमार तथा मालविंदर सिंह कंग शामिल है वर्तमान स्थिति में अब आम आदमी पार्टी के लोकसभा और राज्यसभा में तीन-तीन सांसद रह गए हैं।

पंजाब में विधायकों पर हो सकता है अगला निशाना

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी राज्यसभा सांसदों के बाद पंजाब के विधायकों पर अपना अगला निशाना लगा सकती है परंतु इसके लिए उन्हें 62 विधायक अपने पक्ष में करने होंगे जो हाल की घड़ी में मुमकिन दिखाई नहीं देता परंतु भाजपा ने राज्यसभा में घुसपैठ करके अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है जिसके लिए अब आम आदमी पार्टी को सावधान रहना होगा।

इस बीच विदेश दौरे से लौटे मुख्यमंत्री भगवंत मान चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,₹पार्टी बड़ी होती है, संगठन बड़ा होता है, व्यक्ति नहीं। ये छह-सात लोग जो गए हैं, वे पंजाबियों के साथ गद्दारी करके गए है। यहां बैठे-बैठे इन्हें पद मिल गए, इन्हें किसी से वोट मांगने की जरूरत नहीं पड़ी। अब ये अपनी राजनीतिक नहीं जान बचाने के लिए वहां गए हैं, लेकिन वहां भी इनका कुछ नहीं होना है। वहां भी इन्हें इस्तेमाल करके छोड़ दिया जाएगा। रवनीत बिट्टू तीन-चार दिन पहले राघव चड्ढा को गालियां निकाल रहे थे। अब कैसे मिलेंगे।

हमारे सारे विधायक हमारे साथ

सीएम ने कहा कि पंजाब के विधायक हमारे साथ है। हालांकि शिकवे चलते है, लेकिन उन्हें दूर कर लेते हैं। लेकिन हमारे विधायकों में मन मुटाव नहीं है। इस तरह की खेलों से बीजेपी इलेक्शन नहीं जीत सकती है। इस तरह की कोशिश हिमाचल से लेकर बंगाल तक की गई। लोग जब चाहे तो हम अर्श और जब चाहे वह फर्श पर पहुंच जाते है। यह इसी चीज से आहत है कि भगवंत से दुखी है। जल्दी ही हमारी पार्टी की मीटिंग होगी। इसमें आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

पंजाब की राजनीति में आएगा उबाल

अकाली दल वारिस पंजाब दे ने 2027 विधानसभा चुनावों को लेकर अपना सीएम फेस घोषित कर दिया है। पार्टी ने कहा कि डिब्रूगढ़ जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह उनकी ओर से सीएम पद का फेस होंगे। लुधियाना में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने यह बात कही। पार्टी नेताओं ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमृतपाल सिंह के खिलाफ सोची-समझी राजनीतिक साजिश रची गई है। अमृतपाल सिंह पर जानबूझकर ठरअ (नेशनल सिक्योरिटी एक्ट) लगाया गया ताकि उन्हें पंजाब की राजनीति से दूर रखा जा सके।उन्होंने कहा कि बीते दिनों NSA हटा लिया गया है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अभी तक रिहा नहीं किया गया, जो लोकतंत्र के खिलाफ है।

'लगदी नालों टूटदी चंगी बेकद्रां दी यारी...' – भाजपा पर बरसे CM भगवंत मान, 'बेअदबी' कानून पर सियासत तेज

चंडीगढ़/यूटर्न/24 अप्रैल। पंजाब के मुख्यमंत्री Bhagwant Mann ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि 'बेअदबी' के खिलाफ सख्त कानून बनने के बाद से पार्टी उनकी सरकार को अस्थिर करने की साजिश रच रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब में कमजोर जनाधार के चलते भाजपा अब डराने-धमकाने, लालच देने और दल-बदल जैसी रणनीतियों का सहारा ले रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मान ने अपने संदेश

को एक पंजाबी पंक्ति के जरिए व्यक्त करते हुए कहा, 'लगदी नालों टूटदी चंगी बेकद्रां दी यारी, भला होया लड्डु नेड़ेयों छुट्या, उमर ना बीती सारी,' जिसका अर्थ

- पार्टी छोड़ने वाले सांसदों को बताया पंजाब का गद्दार

है कि बेवफाओं से रिश्ता टूट जाना ही बेहतर होता है। उन्होंने संकेत दिया कि पार्टी छोड़ने वाले नेताओं से दूरी बनना ही संगठन के लिए सही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किए हैं, जिनमें मुफ्त बिजली, हजारों युवाओं को सरकारी नौकरियां और सड़कों का बड़े स्तर पर विकास शामिल है। उन्होंने दावा किया कि इन उपलब्धियों के कारण विपक्ष बौखला गया है और जनता के बीच अपनी पकड़ खो चुका है।

मान ने आरोप लगाया कि भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर उनकी पार्टी को तोड़ने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि 'वॉशिंग मशीन' की तरह भाजपा अन्य दलों के नेताओं को अपने साथ मिलाकर उन्हें क्लीन चिट देने का काम करती है, लेकिन पंजाब की जनता सब समझती है।

पार्टी छोड़ने वाले नेताओं पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के लोग 'गद्दारों' को कभी माफ नहीं करते और समय आने पर उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देंगे। उन्होंने दोहराया कि वे 'बेअदबी' के मुद्दे से पीछे नहीं हटेंगे और राज्य के सम्मान व हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाते रहेंगे।

Uturn Time 25 Apr 2026_Layout 2 24-04-2026 23:22 Page 2

पंजाबी सिंगर दिलजीत ने स्टेज पर अपनी मां को बुलाकर लिया आशीर्वाद

जालंधर/यूटर्न/24 अप्रैल। जालंधर के गांव दोसांझ कलां के पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी मां सुखविंदर कौर का फेस रिवील किया। कनाडा में हुए शो के दौरान दिलजीत खुद अपनी मां को स्टेज पर लेकर आया और दुनिया को बताया कि ये मेरी मां है। दिलजीत ने कहा कि मैं आज जिस मुकाम पर हूं अपनी मां की वजह से हूं। फैमिली लाइफ को हमेशा सीक्रेट रखने वाले दिलजीत दोसांझ जैसे ही मां को स्टेज पर लेकर आए आडियंस उत्साह से भर गई। दिलजीत की मां ने भी बेटे का शो देखा। दिलजीत की मां ने उसे स्टेज पर ही गले लगाया। दिलजीत ने मां के साथ हाथ मिलाया। मां को गले लगाया और आशीर्वाद मांगा। दिलजीत की मां ने बेटे की पीठ थपथपाई और फिर चली गई।

लॉन्गोवाल अकादमिक कॉलेज में 'फेयरवेल पार्टी 2026 - ग्लो अप' का आयोजन

डेराबस्सी/यूटर्न/24 अप्रैल। डेराबस्सी स्थित लॉन्गोवाल अकादमिक कॉलेज में लॉन्गोवाल ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के तत्वावधान में स्नातक छात्रों को विदाई देने के लिए 'फेयरवेल पार्टी 2026 -ग्लो अप' का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों के लिए मनोरंजन, सम्मान और भावनात्मक विदाई का विशेष माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चेयरपर्सन सुश्री कांता कट्यार, वाइस चेयरमैन डॉ. कपिल कट्यार, प्रिंसिपल (छढढउ) सुश्री रोजी कट्यार तथा एडमिशन डायरेक्टर एवं प्रिंसिपल (छअउ) डॉ. विनोद कट्यार उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नृत्य, संगीत और भाषण जैसी प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

स्कूलों के बच्चों को एनर्जी ड्रिंक बेचने पर रोक

ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों के 100 मीटर के दायरे में तथा शहरी क्षेत्र में 50 मीटर में के दायरे में होगी बैन

अशोक सहगल

लुधियाना यूटर्न 24 अप्रैल। राज्य के फूड सेफ्टी कमिश्नर कमलजीत सिंह बराड स्कूलों की कैंटीन सहित ग्रामीण क्षेत्र के स्कूल परिसर के दायरे के 100 मीटर के अंदर में तथा शहरी इलाकों में स्कूल परिसर के 50 मीटर दायरे के अंदर एनर्जी ड्रिंक बेचने पर रोक लगा दी अब अगर किसी स्कूल की कैंटीन या स्कूल परिसर के आसपास एनर्जी ड्रिंक्स बिकती हुई पाई गई तो उन पर कड़ी कार्रवाई हो सकती है अपने निदेर्शों में फूड कमिश्नर ने कहा कि यह देखा गया है कि कुछ फूड बिजनेस ऑपरेटर (FBO) बच्चों को एनर्जी ड्रिंक बेचते हैं, जिनके लेबल पर ही लिखा होता है कि बच्चों के लिए रिकमेंडेड नहीं है।

उन्होंने कहा कि एनर्जी ड्रिंक बच्चों, जवान लोगों और दूसरों के लिए बहुत ज्यादा बेचे जाते हैं और बनाने वाले इन ड्रिंक्स के असर की तुलना कोकीन जैसे ड्रग्स के इस्तेमाल से करते हैं। ये आम तौर पर नॉन-अल्कोहलिक ड्रिंक्स होते हैं जिनमें कैफीन, ग्वाराना, ग्लूकुरोनोलैक्टोन, टॉरिन, जिनसेंग, इनोसिटोल, कार्निटाइन, इ-विटामिन वगैरह मुख्य इंग्रीडिएंट्स के तौर पर होते हैं जो स्टिमुलेंट का काम करते हैं। हाल के सालों में, एनर्जी बूस्ट देने या डाइटरी सप्लीमेंट के तौर पर इंडियन मार्केट में कई अलग-अलग एनर्जी ड्रिंक्स लाए गए हैं। इन ड्रिंक्स में कैफीन का लेवल बहुत ज्यादा होता है (हर सर्विंग में 80˜ तक) जो नर्वस सिस्टम को स्टिमुलेट करता है।

कैफीन को एनर्जी ड्रिंक्स में मेंटल परफॉर्मेंस बढ़ाने के लिए मिलाया जाता है। इसके अलावा, अल्कोहल या दूसरी लत वाली चीजों के साथ कैफीन लेने से सेहत पर और भी बुरा असर पड़ सकता है। साइंटिफिक कम्युनिटी बच्चों की कैफीन वाली ड्रिंक्स तक पहुंच और कैफीन वाले खाने की चीजों से दूसरे प्रोडक्ट्स में इसके असर को लेकर परेशान है। इसलिए, जिन प्रोडक्ट्स में कैफीन एक इंग्रीडिएंट के तौर पर होता है, उन्हें आमतौर पर बच्चों द्वारा पिए जाने वाले दूसरे ड्रिंक्स में इंग्रीडिएंट के तौर पर इस्तेमाल करने से मना किया जाता है। प्रेग्नेंट और दूध पिलाने वाली महिलाएं कमजोर ग्रुप हैं जिन्हें ज्यादा कैफीन लेने की सलाह नहीं दी जाती है।

क्या हो सकते हैं एनर्जी ड्रिंक से खतरे

फूड कमिश्नर के अनुसार कई स्टडीज से कैफीन के नुकसानदायक असर का पता चला है। एनर्जी ड्रिंक्स के इंग्रीडिएंट्स के संबंध में उनके संभावित खराब असर में कार्डियोवैस्कुलर, न्यूरोलॉजिकल/साइकोलॉजिकल, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल/ मेटाबोलिक और रीनल यानी गुर्दो पर होने वाले बुरे असर शामिल है (रेफरेंस: Int J Health Sci (Qassim) 2015 Oct;9(4):468-474)

क्या कहता है फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड एक्ट

फूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006, चैप्टर 2: फूड प्रोडक्ट्स स्टैंडर्ड्स 2.10.6(2) काबोर्नेटेड और नॉन-काबोर्नेटेड कैफीनेटेड बेवरेज के लिए स्टैंडर्ड्स बताता है जिसमें कहा गया है: जरूरी कंपोज़िशन: इसमें प्रति लीटर कम से कम 145 mg और प्रति लीटर 300˜ से ज्यादा टोटल कैफीन नहीं होना चाहिए, चाहे वह प्रोडक्ट बनाने में किसी भी सोर्स से मिला हो। इसके अलावा (IIIA(i)) लेबल पर हर दिन 500 ml से ज्यादा न लेंर लिखा होना चाहिए जो हर दिन की मात्रा दिखाता है।

सावधानी हटी, दुर्घटना घटी

लेबलिंग: प्रोडक्ट को प्री-पैकेज्ड फूड्स के लिए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (पैकेजिंग और लेबलिंग) रेगुलेशन, 2011 की जनरल लेबलिंग जरूरतों के सभी नियमों का पालन करना होगा, साथ ही ये अतिरिक्त नियम भी होंगे:) ज्यादा कैफीन: "X mg/सर्विंग साइज" (जहां प्रति पैक/सर्व में मिलीग्राम में कैफीन की मात्रा है; o) सावधानी का साफ-साफ लिखा होना बच्चों, गर्भवती या दूध पिलाने वाली महिलाओं, कैफीन के प्रति सेंसिटिव लोगों के लिए रिकमेंड नहीं किया जाता है। फूड कमिश्नर ने कहा कि ऊपर बताए गए कारणों से, बच्चों द्वारा कैफीनयुक्त एनर्जी ड्रिंक्स के सेवन पर रोक लगाना सही और जरूरी है। इसलिए पंजाब, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 के सेक्शन 30(2)() के तहत मिली शक्तियों के तहत पब्लिक हेल्थ के हित में, बच्चों को एनर्जी ड्रिंक्स की बिक्री और स्कूलो में एनर्जी ड्रिंक्स की बिक्री पर भी रोक लगाई जाती है यह रोक 21 अप्रैल से 1 वर्ष के लिए जारी रहेगी।

पेटीएम का पेमेंट्स का सपना, आरबीआई की दीवार से टकराया

चंडीगढ़/यूटर्न/24 अप्रैल। भारत के सबसे महत्वाकांक्षी फिनटेक प्रयोग पेटीएम पर आखिरकार पर्दा गिर ही गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है, जो 24 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा और बैंक को बंद करने के लिए हाईकोर्ट जाने का अपना इरादा भी जाहिर कर दिया है। जो कभी भारत के पेमेंट्स बैंक मॉडल की शान हुआ करता था, उसका अंत अब किसी नए रूप में ढलने के साथ नहीं, बल्कि रेगुलेटरी तौर पर पूरी तरह से बंद होने के साथ हो रहा है। आरबीआई के आदेश की भाषा काफी तीखी है। इसमें जमाकताओं के लिए नुकसानदायक आचरण का ज़िक्र किया गया है, मैनेजमेंट के सामान्य चरित्र को लेकर चिंताएँ जताई गई हैं और यह निष्कर्ष निकाला गया है कि बैंक को काम जारी रखने की अनुमति देने से किसी भी सार्वजनिक हित की पूर्ति नहीं होगी। यह कोई तकनीकी उल्लंघन नहीं है; यह रेगुलेटरी भरोसे का पूरी तरह से खत्म हो जाना है।

यह स्थिति रातों रात नहीं बनी...साफ तौर पर कहें तो, यह स्थिति रातों-रात नहीं बनी है। इसकी शुरूआत तो कई साल पहले ही हो गई थी। मार्च 2022 में, पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर नए ग्राहक जोड़ने पर रोक लगा दी गई थी। 2024 की शुरूआत तक, शिकंजा और कस गया। जिसमें कोई नई जमा राशि नहीं, कोई टॉप-अप नहीं और कोई खास विस्तार नहीं। बैंक को असल में रेगुलेटरी तौर पर पूरी तरह से रोक दिया गया था। अब हम जो देख रहे हैं, वह धीरे-धीरे कसते शिकंजे का एक ऐसा अंत है जो होना ही था।

डिजिटलीकरण की लहर का भरपूर फायदा मिला...लेकिन इसकी बड़ी कहानी भारत के फिनटेक क्षेत्र में आई जबरदस्त तेजी की सीमाओं के बारे में है। वन97 कम्यूनिकेशन्स के सहयोग से पेटीएम ने वॉलेट, क्यूआर कोड और मर्चेंट पेमेंट्स के इर्द-गिर्द एक विशाल इकोसिस्टम खड़ा किया और नोटबंदी के बाद आई डिजिटलीकरण की लहर का भरपूर फायदा उठाया। पेमेंट्स बैंक को फिनटेक की फुर्ती और औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था में लोगों को शामिल करने के बीच एक पुल का काम करना था। लेकिन इसके बजाय, यह इस बात का एक उदाहरण बन गया है कि जब रेगुलेटरी नियमों का पालन बैंक के बढ़ते आकार के साथ तालमेल नहीं बिठा पाता, तो उसका क्या अंजाम होता है।

जमाकर्ताओं के लिए, आरबीआई ने भरोसा दिलाया...बैंक के पास इतनी लिक्विडिटी (नकदी) है कि वह बैंक बंद होने की प्रक्रिया के दौरान अपनी देनदारियों का भुगतान कर सके। यह वादा बहुत अहम है, क्योंकि बैंकिंग की दुनिया में टेक्नोलॉजी से कहीं ज्यादा भरोसा ही असली पूंजी होती है। यहाँ केंद्रीय बैंक की प्राथमिकता साफ है: सिस्टम से जुड़े जोखिमों को रोकना, ग्राहकों की सुरक्षा करना, और यह संदेश देना कि रेगुलेटरी नियमों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, चाहे ब्रांड की वैल्यू कितनी भी ज्यादा क्यों न हो।

बिजनेस मॉडल रहा कमजोर...पेमेंट्स बैंक अपने आप में एक साहसिक नीतिगत प्रयोग थे। जिन्हें बिना पूरी तरह से कर्ज़ देने वाले बैंकों के जोखिम उठाए, ज्यादा से ज्यादा लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। फिर भी, उनका बिजनेस मॉडल हमेशा से ही कमजोर रहा है : कमाई के सीमित साधन, रेगुलेटरी नियमों के पालन का भारी बोझ, और लेन-देन की भारी मात्रा पर निर्भरता। पेटीएम Payments Bank के बंद होने से एक गहरा सवाल उठता है : क्या इसका मॉडल ही खराब था, या इसे लागू करने का तरीका?

पेटीएम के लिए कई चुनौतियां...पेटीएम के लिए अब चुनौती सिर्फ़ ऑपरेशनल नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व की है। अपनी बैंकिंग शाखा को खोने से उसके पूरे इकोसिस्टम की रीढ़ वॉलेट्स, मर्चेंट सेटलमेंट्स और कस्टमर लॉयल्टी पूरी तरह से हिल गई है। कंपनी को अब पारंपरिक बैंकों के साथ पार्टनरशिप करके खुद को फिर से खड़ा करना होगा, लेकिन इसमें उसका कंट्रोल कम हो जाएगा और मुनाफा भी कम होगा। इससे भी ज्यादा जरूरी बात यह है कि उसे अपनी विश्वसनीयता फिर से बनानी होगी, रेगुलेटर्स, पार्टनर्स और यूजर्स, सभी के बीच।

आरबीआई का बाजार को यह एक संदेश...आरबीआई के लिए, यह बाजार को भी एक संदेश है। इनोवेशन का स्वागत है, लेकिन गवर्नेंस की कीमत पर नहीं। आज के दौर में, जब फिनटेक कंपनियाँ अक्सर उन नियमों से भी ज्यादा तेजी से आगे बढ़ती हैं जो उन्हें कंट्रोल करते हैं, रेगुलेटर ने एक सख़्त लकीर खींच दी है : आप कितना भी बड़ा क्यों न हो जाएँ, आप पर होने वाली जाँच-पड़ताल से बच नहीं सकते। इसलिए, पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बंद होना सिर्फ़ एक कॉर्पोरेट झटका नहीं है। यह भारत की डिजिटल फाइनेंस की कहानी के लिए खुद को फिर से ठीक करने का एक अहम पल है। इसका सबक सीधा-सा है, भले ही थोड़ा कड़वा हो।

Uturn Time 25 Apr 2026_Layout 2 24-04-2026 23:22 Page 3

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 06 मैरिज पैलेसों में फायर सेफ्टी पर सवाल, लोगों में डर...

शॉर्ट सर्किट से खेतों में लगी आग, गेहूं फसल और 50 एकड़ नाड़ जलकर खाक

लुधियाना/यूटर्न/24 अप्रैल। लुधियाना के जगराओं के पास स्थित गांव गालिब कलां और अमरगढ़ कलेर में शॉर्ट सर्किट के कारण खेतों में आग लग गई। इस घटना में एक किसान की खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई, जबकि दोनों गांवों की लगभग 50 एकड़ नाड़ भी आग की चपेट में आ गई। किसानों को लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। किसानों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। आग लगने का कारण घर को जाने वाली बिजली की तार के मीटर के पास हुआ शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। शुरूआत में आग का पता नहीं चला, लेकिन जब खेतों से धुआं उठने लगा तो ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई। सूखी नाड़ होने के कारण आग तेजी से फैली और आसपास के कई खेत इसकी चपेट में आ गए।

ग्रामीणों ने 30 ट्रैक्टरों से मिट्टी डालकर आग को फैलने से रोका

आग की सूचना पर गालिब कलां व अमरगढ़ कलेर के किसान अपने ट्रैक्टरों के साथ खेतों की ओर पहुंचे। 30 से अधिक ट्रैक्टर चालकों ने खेतों के चारों ओर मिट्टी डालकर और रास्ता बनाकर आग को फैलने से रोकने का प्रयास किया। जगराओं फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज गर्मी और सूखी नाड़ के कारण आग तेजी से फैलती रही।

केआईएमटी कॉलेज में यादें '2026' विदाई समारोह का आयोजन

लुधियाना/यूटर्न/24 अप्रैल। खालसा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी फॉर विमेन, सिविल लाइंस, लुधियाना ने अपने अंतिम वर्ष के छात्रों को हार्दिक विदाई देने के लिए एक यादगार विदाई समारोह, यादें 2026 का आयोजन किया। यह अवसर छात्रों की यात्रा, उपलब्धियों और संस्थान में बिताए गए समय के दौरान बनाई गई उनकी अनमोल यादों का एक भावपूर्ण उत्सव था। अंतिम वर्ष के छात्रों ने अपने अनुभव, अनमोल यादें साझा कीं और अपने गुरुओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। समारोह में छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया और इसमें भावपूर्ण भाषण, मनमोहक प्रस्तुतियां और यादगार पल शामिल थे। विदाई लेने वाले छात्रों की सराहना की गई और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दी गई। इस दौरान केआईएमटी की निदेशक डॉ. हरप्रीत कौर ने छात्रों को कॉलेज से जुड़े रहने के लिए प्रोत्साहित किया और जीवन में आगे बढ़ते हुए उनके उज्ज्वल और सफल भविष्य की कामना की। एक फैशन शो कार्यक्रम का एक और मुख्य आकर्षण था, जिसमें तीन राउंड थे, जिनमें छात्रों की फैशन समझ, रचनात्मकता और आत्म-अभिव्यक्ति का प्रदर्शन किया गया। जिसमें मिस फेयरवेल का खिताब खुशी धामा, फर्स्ट रनर-अप ता विनीका अरोरा, सेकंड रनर-अप का सीरत, मिस कॉन्फिडेंट का इश्वप्रीत, मिस कैटवॉक का यशिका कालसी, मिस फोटोजेनिक का सिफतदीप, मिस विवेशियस का गुन क्वात्रा, मिस बेस्ट अटायर का दीपांशी, मिस एलिगेंट का आकांक्षा, मिस ब्यूटीफुल स्माइल का जसनीत कौर, मिस ब्यूटी विद ब्रेन्स का अलीशा, मिस बेस्ट पर्सनैलिटी का इशिका और मिस टैलेंटेड का खिताब महक ने जीता।

पी.एस.आई.ई.सी. ने औद्योगिक प्लॉटों के लिए मालिकाना हक खोले

ज़ीरो स्टाम्प ड्यूटी के साथ लीज़होल्ड प्लॉटों को फ्रीहोल्ड में तब्दील करवाने का एकमात्र मौका

लीज़होल्ड प्लॉटों को फ्रीहोल्ड में तब्दील करवाने के मुख्य फ़ायदे:

1. 30.04.2026 तक प्राप्त होने वाले आवेदनों के लिए लीज़होल्ड औद्योगिक संपत्तियों को फ्रीहोल्ड में तब्दील करते समय कन्वेयंस डीड रजिस्ट्रेशन पर स्टाम्प ड्यूटी से एकमुश्त मुक्कमल छूट।
2. फ्रीहोल्ड प्लॉटों के लिए पोस्ट-अलॉटमेंट सेवाओं को सरल बनाकर इन्हें केवल दो हेड में विभाजित किया गया है—5 अनिवार्य और 18 वैकल्पिक सेवाएं; आगे इन्हें तीन यूनिफाइड कैटेगरीज़ में शामिल किया गया है, जिससे अलॉटियों के लिए व्यापार करने की आसानी और कार्यकुशलता में महत्वपूर्ण सुधार होगा।
3. फ्रीहोल्ड प्लॉटों से संबंधित सभी सेवाओं के लिए समय-सीमाओं को तर्कसंगत बनाया और कम किया गया है। इसके अलावा तेज़ निर्णय सुनिश्चित करने के लिए ऐसे मामलों के निपटारे हेतु एस्टेट ऑफिसर (ई.ओ.) को सर्वोच्च प्राधिकरण के रूप में नामित किया गया है।
4. बैंकों/एनबीएफसीज़ के पास गिरवी रखी गईं लीज़होल्ड संपत्तियां फ्रीहोल्ड में तब्दील करने के योग्य होंगी, बशर्ते संबंधित बैंक/एनबीएफसी से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) जमा कराया जाए।
5. फ्रीहोल्ड प्लॉट धारकों को हलफनामे के स्थान पर स्वयं-घोषणा पत्र जमा करने की अनुमति होगी, जिससे प्रक्रिया से जुड़ी विभिन्न आवश्यकताएं सरल हो जाएंगी।
6. जिन मामलों में मौजूदा लीज़होल्ड समझौते में मुल्य वृद्धि (अनअर्न्ड इन्क्रीज) के लिए कोई प्रावधान नहीं, वहां संपत्ति को फ्रीहोल्ड में तब्दील करवाते समय यह लागू नहीं होगा।
7. परिवार के भीतर किए जाने वाले हस्तांतरण, जिनमें उत्तराधिकार तथा आवंटी की मृत्यु के बाद होने वाले हस्तांतरण शामिल हैं, के मामलों में, जब लीज़होल्ड से फ्रीहोल्ड में तबादले का विकल्प अपनाया जा रहा हो तब कोई मुल्य वृद्धि (अनअर्न्ड इन्क्रीज) चार्ज नहीं लिया जाएगा।
8. यदि आवेदन 30.04.2026 तक या उससे पहले जमा किए जाते हैं, तो अलॉटी लीज़होल्ड से फ्रीहोल्ड में तबादले पर 1,800 रुपये प्रति वर्ग गज़ के हिसाब से बचत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। वास्तविक बचत लाभ स्थान और लागू कलेक्टर दरों के आधार पर अलग-अलग हो सकते हैं।

स. भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

पंजाब लघु उद्योग एवं निर्यात निगम लिमिटेड

Uturn Time 25 Apr 2026_Layout 2 24-04-2026 23:22 Page 4

लुधियाना से बाइक पर ससुराल जा रहे दंपति की सड़क हादसे में मौत, बेटा गंभीर जख्मी

मोगा/यूटर्न/24 अप्रैल। लुधियाना से बाइक पर ससुराल जा रहे एक दंपति को मोगा के अजीतवाल थाना क्षेत्र में स्पायर पैलेस के पास ट्रक ने टक्कर मार दी। इस सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई, उनका 5 वर्षीय बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे नाजुक हालत में डीएमसी अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान परमजीत कौर 29 वर्ष, भवजीत सिंह निवासी गुज्जरवाल के रुप में हुई है। गांव चंद पुराना निवासी सरबजीत सिंह ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी परमजीत कौर अपने पति भवजीत सिंह और 5 वर्षीय बेटे हरजीत सिंह के साथ मोटरसाइकिल पर अपने मायके चंद पुराना आ रही थीं। सरबजीत सिंह भी अपने मोटरसाइकिल पर उनके पीछे चल रहे थे। शाम करीब 7-8 बजे जब वे अजीतवाल पुल के पास स्पायर पैलेस के नजदीक पहुंचे तो सामने से गलत दिशा में आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनके मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों सड़क पर गिर पड़े। इस दुर्घटना में परमजीत कौर की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल भवजीत सिंह को तुरंत मोगा के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अंधेरा होने के कारण ट्रक का नंबर नोट नहीं हो सका और चालक मौके से फरार हो गया।

लुधियाना के टीचर्स नहीं देंगे जनगणना ड्यूटी, आपत्ति जताने पर विभाग ने जारी किए आदेश

लुधियाना/यूटर्न/24 अप्रैल। लुधियाना के सरकारी स्कूलों के 50 प्रतिशत से ज्यादा टीचर्स की ड्यूटी जनगणना में लगा दी गई। जनगणना में ड्यूटी के कारण स्कूलों में स्टूडेंट्स की पढ़ाई प्रभावित होने का हवाला देकर टीचर्स ने इसका विरोध किया। जिला प्रशासन ने एक स्कूल से 50 प्रतिशत से ज्यादा टीचर्स की ड्यूटी न लगाने के आदेश जारी किए हैं। प्रशासन ने डीईओ से ऐसे स्कूलों की रिपोर्ट मांग ली है जिनके 50 प्रतिशत से ज्यादा टीचर्स की जनगणना में ड्यूटी लगी है। दरअसल जिला शिक्षा अधिकारी ने जिला प्रशासन के साथ हुई बैठक में यह मामला उठाया और कहा कि अगर 50 फीसदी से ज्यादा टीचर्स जनगणना ड्यूटी पर रहेंगे तो विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो जाएगी। जिला प्रशासन के साथ बैठक होने के बाद डीईओ ने सभी स्कूल प्रिंसिपल्स को हिदायतें दी हैं कि जिनके 50 प्रतिशत से ज्यादा टीचर्स की ड्यूटी लगी है उनकी रिपोर्ट एक तय फॉर्मेट में भेजें ताकि रिपोर्ट एडीसी को सौंपी जा सके।

टीचर्स ने जताई थी आपत्ति

दरअसल, जनगणना के लिए ड्यूटी लगने की जानकारी मिलने के बाद टीचर्स यूनियंस और स्कूल प्रभारियों ने इस पर कड़ा ऐतराज जताया। उनका तर्क था कि बोर्ड परीक्षाओं और नए शैक्षणिक सत्र के बीच अगर इतने बड़े स्तर पर टीचर फील्ड में चले जाएंगे, तो स्कूलों में पढ़ाई पूरी तरह ठप हो जाएगी।

26 अप्रैल को लुधियाना में होगा अकाली दल वारिस पंजाब दे का विशाल पंथक एकत्र

लुधियाना/यूटर्न/24 अप्रैल। अकाली दल वारिस पंजाब दे द्वारा 26 अप्रैल को लुधियाना में एक विशाल पंथक एकत्र का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंधी शुक्रवार एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस को पार्टी के पंजाब कोऑर्डिनेटर परमजीत सिंह जौहल, वरिष्ठ नेता राजीव कुमार लवली, श्री फतेहगढ़ साहिब के कोऑर्डिनेटर संदीप सिंह रुपालों और पंथक सभा के आयोजक गुरप्रीत सिंह सोनू ने संबोधित किया। इस मौके पर वरिष्ठ नेता राजीव कुमार लवली और गुरप्रीत सिंह सोनू ने कहा कि अकाली दल वारिस पंजाब दे राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 26 अप्रैल को दोपहर 12 बजे लुधियाना स्थित आशा रानी पार्क, 33 फुटा रोड, राम नगर के पास, मुंडियां कलां में यह विशाल पंथक एकत्र आयोजित किया जाएगा। इसमें पार्टी के सरपरस्त बापू तरसेम सिंह सहित वरिष्ठ नेतृत्व शामिल होगा। उन्होंने कहा कि राज्य इस समय गैंगस्टरवाद, नशे और कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे हालात में अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' ही राज्य को विकास और खुशहाली के रास्ते पर ले जा सकता है। उन्होंने ऐलान किया कि 2027 के विधानसभा चुनावों में भाई अमृतपाल सिंह खालसा पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। इस मौके पर अन्य नेताओं में, इंदरजीत सिंह एडवोकेट, दीप सिद्धू के पूर्व सहयोगी गुरदीप सिंह प्रिंस, हरपाल सिंह कोहली, मनजीत सिंह बल्ल, बाबा दर्शन सिंह पंच, प्रगट सिंह, रिंकू राठौर, मधु सूदन, अवतार सिंह, सुरजीत सिंह, गुरविंदर सिंह, जोरा सिंह, मनमोहन सिंह, जसराज सिंह, जसवीर सिंह, अमृतपाल सिंह, हरप्रीत सिंह, गुरप्रीत सिंह, गुरजीत सिंह उपस्थित रहे।

विवादों में घिरा एक्सप्रेस वेजिटेरियन, कस्टमर के फास्ट फूड में निकला कॉकरोच

लुधियाना/यूटर्न/24 अप्रैल। भारत नगर चौक स्थित रेस्टोरेंट एक्सप्रेस वेजिटेरियन विवादों में घिर गया है। जहां ग्राहक ने फास्टफूड में कॉकरोच निकलने के आरोप लगाए। इस मामले को लेकर जमकर हंगामा हुआ। दरअसल, इस मामले को लेकर ग्राहक ने कर्मियों से शिकायत की। ग्राहक ने वीडियो भी बनाई है। वहीं मामले संबंधी रेस्त्रां संचालक ने कॉकरोच निकलने की बात से साफ इंकार कर दिया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को कुछ लोग रेस्त्रां में खाना खाने के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने फास्ट फूड ऑर्डर किया। जिसमें कॉकरोच निकला। वहीं दूसरी ओर रेस्टोरेंट के संचालक से पक्ष पूछना चाहा तो संचालक द्वारा कॉकरोच निकलने को लेकर मना किया गया। वहीं मीडिया कर्मी ने कहा कि उसके पास संचालक द्वारा प्लेट से कॉकरोच निकालने का वीडियो मौजूद है, तभी रेस्टोरेंट का संचालक कहने लगा वीडियो आपके पास होगी। संचालक ने कहा कि कोई जानबूझकर गलत काम नहीं करता। ऐसे में अब देखना यह है कि सेहत विभाग की टीम द्वारा रेस्टोरेंट पर कब जांच की जाएगी।

लिव-इन पार्टनर ने युवती पर किया हमला, शराब पीने से रोकने पर काटे बाल, बाजू भी तोड़ी

लुधियाना/यूटर्न/24 अप्रैल। दुगरी इलाके में लिव-इन रिलेशन में रह रही युवती पर उसके ही साथी ने बेरहमी से हमला कर दिया। उसकी मारपीट की और फिर बाल भी काट दिए। जिसकी युवक ने वीडियो बनाई और रील अपने इंस्टाग्राम पेज पर स्टोरी बनाकर लगाई। घायल युवती का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पीड़िता कविता चौधरी ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह पिछले करीब एक साल से अपने परिवार को बताए बिना आनंद चौधरी के साथ रह रही थी। आरोपी ने महिला के साथ मारपीट करके उसकी रील बनाई। रील आरोपी ने अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर की। युवती अनुसार 21 अप्रैल को दोपहर करीब 2 बजे आरोपी आनंद चौधरी शराब पी रहा था। जब उसने उसे शराब पीने से रोका तो आरोपी गुस्से में आ गया। आरोप है कि आनंद ने बाल काटने वाली मशीन से उसके सिर के बाल काट दिए और उसकी वीडियो भी बना ली। इसके बाद उसने लोहे की रॉड से हमला कर युवती का हाथ तोड़ दिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी आनंद चौधरी निवासी गली सरदार वाला प्लॉट, गांव दुगरी का रहने वाला है। वहीं शिकायतकर्ता कविता चौधरी नजदीक पीर बाबा वाली गली, सरदार प्लॉट, दुगरी की निवासी है। थाना दुगरी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

Uturn Time 25 Apr 2026_Layout 2 24-04-2026 23:22 Page 5

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 ईरान ने की पुष्टि, विदेश मंत्री अराघची पाकिस्तान...

बंगाल में वोटिंग का तूफान: 1947 के बाद बंगाल में सबसे ज्यादा वोटिंग, उथल-पुथल भरे राजनीतिक अतीत की गवाही देती है

चंडीगढ़/यूटर्न/24 अप्रैल। जब पश्चिम बंगाल 1947 के बाद से अपनी सबसे ज्यादा वोटिंग दर्ज करता है, तो यह सिर्फ. एक आँकड़ों का मील का पत्थर नहीं होता। यह इतिहास की एक गूँज होती है। एक ऐसे राज्य में जहाँ लोकतंत्र अक्सर स्याही और खून, दोनों से लिखा गया है, ऐसी भागीदारी अपने साथ यादों, टकराव और अपनी बात जोर देकर कहने की कई परतें समेटे होती है।

इस पल को सिर्फ. चुनावी उत्साह के तौर पर देखना बंगाल की गहरी राजनीतिक विरासत को नजरअंदाज करना होगा। 1970 का दशक, जो नक्सलवादी आंदोलन की उथल-पुथल के लिए जाना जाता है, उसमें राजनीति हिंसक रूप लेकर सड़कों पर उतर आई थी। जो एक कट्टरपंथी किसान विद्रोह के तौर पर शुरू हुआ था, वह जल्द ही सरकारी दमन और वैचारिक उग्रवाद के एक क्रूर चक्र में बदल गया। कॉलेज-यूनिवर्सिटी के कैंपस जंग के मैदान बन गए, विरोध करने पर दमन का सामना करना पड़ा, और लोकतांत्रिक भागीदारी का विचार ही डर से दागदार हो गया।

यह अचानक आया उछाल नहीं

इस पृष्ठभूमि को देखते हुए, आज की रिकॉर्ड वोटिंग कोई अचानक आया उछाल नहीं है। यह एक लंबी परंपरा की निरंतरता है जहाँ वोट देना एक अधिकार भी है और अपनी मौजूदगी दर्ज कराने का एक तरीका भी कभी-कभी तो यह विरोध जताने का भी जरिया होता है। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच की होड़ ने इस भावना को और भी तेज कर दिया है, जिससे वोटिंग का मैदान अब अलग-अलग विचारों और कहानियों की लड़ाई का अखाड़ा बन गया है।

राजनीतिक संस्कृति को ही बदल दिया

उस दशक ने अपने पीछे सिर्फ. जान-माल का नुकसान ही नहीं छोड़ा, बल्कि उसने बंगाल की राजनीतिक संस्कृति को ही बदल दिया। कैडर-आधारित राजनीति का उदय, जिसे बाद में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने पूरी तरह से अपना लिया, ने एक ऐसी व्यवस्था को संस्थागत रूप दिया जहाँ लोगों को जुटाना लगातार चलता रहता था और नियंत्रण अक्सर किसी खास इलाके तक सीमित होता था। चुनाव कभी भी सिर्फ.अपनी पसंद चुनने का जरिया नहीं होते थे; वे संगठनात्मक ताकत का प्रदर्शन होते थे।

खुली हिंसा को सुरक्षा बलों ने किया कम

एक और धीमा बदलाव भी हो रहा है। सुरक्षा बलों की भारी मौजूदगी और कड़ी निगरानी ने, कुछ हद तक, उस खुली हिंसा को कम कर दिया है जो कभी बंगाल के चुनावों की पहचान हुआ करती थी। अतीत का वह रखूनी लोकतंत्र पूरी तरह से खत्म तो नहीं हुआ है, लेकिन उसे हाशिये पर धकेल दिया गया है; उसकी जगह अब एक ज्यादा नियंत्रित, लेकिन कम जोशीली न होते हुए भी, एक अलग तरह की चुनावी होड़ ने ले ली है। तो आजादी के बाद से अब तक की यह सबसे ज्यादा वोटिंग असल में किस बात का संकेत है? यह सिर्फ.सत्ता में संभावित बदलाव का संकेत नहीं है, बल्कि एक गहरी निरंतरता का भी संकेत है। बंगाल आज भी एक ऐसा राज्य है जहाँ राजनीति को पूरी शिद्दत से जिया जाता है, जोरदार तरीके से लड़ा जाता है, और जिस पर इतिहास का गहरा बोझ है।

यहाँ एक विरोधाभास भी

फिर भी, यहाँ एक विरोधाभास भी है। इतनी ज्यादा वोटिंग चुनावी प्रक्रिया में लोगों के भरोसे को दिखाती है। लोगों को लगता है कि उनके वोट की अहमियत है। साथ ही, यह राजनीतिक ध्रुवीकरण की तीव्रता को भी दिखाता है, जहाँ घर पर बैठे रहना अब कोई विकल्प नहीं माना जाता। भागीदारी कानून के दबाव से नहीं, बल्कि किसी एक पक्ष से जुड़े होने के सामाजिक दबाव के कारण जरूरी हो जाती है।

भाजपा प्रत्याशी श्याम लाल बंसल ने भरा नामांकन, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रहे मौजूद

कुलदीप सैनी

पंचकूला/यूटर्न/24 अप्रैल। भाजपा मेयर प्रत्याशी श्याम लाल बंसल ने रोड शो के बाद लघु सचिवालय पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। श्याम लाल बंसल ने नामांकन से पहले सेक्टर-5 स्थित चुनाव कार्यालय के बाहर हवन यज्ञ किया। इसके बाद विशाल जनसभा का आयोजन किया, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित तमाम भाजपा नेता और कार्यकर्ता भारी संख्या में पहुंचे। इस दौरान भाजपा के

सभी वार्डों के पार्षद उम्मीदवार मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुछ लोग इस चुनाव में झूठ फैलाने का काम करेंगे। बड़े-बड़े दावे करेंगे कि हम आपके लिए चांद तारे तोड़ लाएंगे। जब तारे तोड़ने की बात होती है, तो वह दिखाई नहीं देते। जब तारे तोड़ने की बारी आएगी तो केवल श्यामलाल बंसल दिखाई देगा और सारे पार्षद खड़े दिखाई देंगे। आपकी हर समस्या का हल करेंगे। उन्होंने सभी 20 पार्षदों एवं मेयर उम्मीदवार को जिताने की अपील की। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने सभी कार्यकताओं से चुनाव प्रचार में पूरी शिद्दत से जुट जाने की अपील की।

लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया हुई आसान /एटीओ संदीप भारती ने दी पूरी जानकारी

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर/यूटर्न/24 अप्रैल। होशियारपुर के वरिष्ठ पत्रकार दलजीत अजनोहा द्वारा एटीओ संदीप भारती के साथ की गई एक विशेष बातचीत के दौरान ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। बातचीत में संदीप भारती ने बताया कि होशियारपुर का ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक वर्ष 2012 से संचालित हो रहा है और समय-समय पर सरकार के निदेर्शों के अनुसार इसमें सुधार किए जाते हैं। नई तकनीकों और सॉफ्टवेयर अपडेट्स के माध्यम से प्रक्रिया को और अधिक सरल तथा पारदर्शी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के Ministry of Road Transport and Highways द्वारा संचालित वेबसाइट्स Sarathi Parivahan और Vahan Parivahan के जरिए हर व्यक्ति ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा सकता है। इन पोर्टलों पर जाकर लाइसेंस के लिए आवश्यक दस्तावेजों की पूरी जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है।

उन्होंने आगे बताया कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु का हर व्यक्ति ड्राइविंग लाइसेंस बनवा सकता है, जबकि 16 वर्ष की आयु के युवा लर्निंग लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसमें कम सीसी वाले दोपहिया वाहनों की अनुमति होती है। संदीप भारती ने यह भी कहा कि ट्रैफिक नियमों की जानकारी देने के लिए समय-समय पर विशेष कक्षाएं आयोजित की जाती हैं, ताकि लोग सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक हों और दुर्घटनाओं से बच सकें। अंत में उन्होंने सभी से अपील की कि सड़क पर चलते समय ट्रैफिक नियमों का पूरी तरह पालन करें, ताकि अपनी और दूसरों की जिंदगी सुरक्षित रखी जा सके।

अवैध शराब के साथ युवक गिरफ्तार

जीरकपुर/यूटर्न/24 अप्रैल। जीरकपुर में आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चंडीगढ़ मार्का की शराब बरामद की गई है, जिसे वह शहर में बेचने की फिराक में था। जानकारी के अनुसार एक्साइज इंस्पेक्टर गुरप्रीत सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति काले रंग के स्कूटर (नंबर उल्-01उअ-3125) पर चंडीगढ़ से अवैध शराब लाकर जीरकपुर में सप्लाई करने वाले हैं। सूचना मिलते ही आबकारी विभाग और पुलिस की टीम ने इलाके में नाकाबंदी कर दी और संदिग्ध वाहनों की जांच शुरू कर दी। नाकाबंदी के दौरान बताए गए नंबर का स्कूटर आता दिखाई दिया, जिसे टीम ने रुकवाया। स्कूटर पर सवार दो व्यक्तियों में से एक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया, जबकि दूसरे को पुलिस ने मौके पर ही दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी ने अपनी पहचान अमन कुमार पुत्र अरुण कुमार निवासी विकास नगर, मौली जागरां के रूप में बताई। पुलिस ने जब स्कूटर की तलाशी ली तो उसमें से '999 व्हिस्की' ब्रांड की 9 बोतलें बरामद हुईं। प्राथमिक जांच में सामने आया कि यह शराब चंडीगढ़ मार्का की है, जिसे अवैध रूप से जीरकपुर में बेचने के लिए लाया जा रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर स्कूटर समेत शराब को कब्जे में लेकर थाना जीरकपुर में जमा करवा दिया है। आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट की धारा 61/1/14 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच एएसआई हरविंदर सिंह द्वारा की जा रही है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपी की तलाश के लिए छापेमारी की जा रही है और जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

Uturn Time 25 Apr 2026_Layout 2 24-04-2026 23:22 Page 6

नशे के खिलाफ कार्रवाई, हाईवे के पास युवक पकड़ा

जीरकपुर/यूटर्न/24 अप्रैल। पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक युवक को काबू कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के दौरान कोहिनूर ढाबा के पास मौजूद थी। इसी दौरान एक विश्वसनीय सूचनादाता ने सूचना दी कि बिंदर कुमार नामक युवक हांप-अप, चंडीगढ़-अंबाला हाईवे के पास नशा कर रहा है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बताए गए स्थान से संदिग्ध युवक को काबू कर लिया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान बिंदर कुमार पुत्र विजय कुमार निवासी अबोहर (फाजिल्का) हाल निवासी शर्मा एस्टेट, लोहगढ़ रोड, जीरकपुर के रूप में बताई। जांच अधिकारी हवलदार कुलविंदर सिंह ने आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 50 के तहत उसके अधिकारों के बारे में अवगत कराया। आरोपी ने मजिस्ट्रेट या गजटेड अधिकारी के समक्ष तलाशी करवाने से इनकार करते हुए पुलिस पर भरोसा जताया और मौके पर ही अपनी तलाशी देने की सहमति दी। तलाशी के दौरान उसके पास से कोई नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ।

इसके बाद पुलिस आरोपी को सिविल अस्पताल डेराबस्सी लेकर गई, जहां उसका डोप टेस्ट कराया गया। जांच रिपोर्ट में युवक के शरीर में नशीले पदार्थों के सेवन की पुष्टि हुई। रिपोर्ट में मोर्फिन और अन्य तत्व पॉजिटिव पाए गए।

Happy Birthday

Snesha Jain

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

राजनीति

राजनीति की गंभीर बिमारी, आम जनता पर पड़ रही भारी।

आज के समय में पूरी दुनिया के लोग राजनीति की एक गंभीर ₹बीमारी₹ के शिकार होते नजर आ रहे हैं। राजनीति, जो समाज की भलाई और विकास के लिए होनी चाहिए थी, अब कई जगहों पर सत्ता और अहंकार का साधन बन चुकी है। कई राजनीतिक नेता अपनी जिद और स्वार्थ के कारण ऐसे फैसले लेते हैं, जिनका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है। युद्ध और संघर्षों में सबसे ज्यादा नुकसान निर्दोष लोगों का होता है, जबकि फैसले कुछ गिने-चुने लोग करते हैं। पुराने समय में राजा-महाराजाओं के बीच युद्ध होते थे, जहां मुख्य रूप से सेनाएं ही लड़ती थीं। आम जनता अपेक्षाकृत सुरक्षित रहती थी और अपना जीवन शांति से जी पाती थी। लेकिन आज की आधुनिक युद्ध प्रणाली में हालात बदल गए हैं। बम और मिसाइलें सीधे शहरों और गांवों पर गिरती हैं, जिससे मासूम लोगों की जान चली जाती है और जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। यह स्थिति चिंताजनक है और हमें सोचने पर मजबूर करती है कि क्या यही प्रगति है? राजनीति का उद्देश्य मानवता की रक्षा और शांति स्थापित करना होना चाहिए, न कि विनाश फैलाना। अगर नेताओं में समझदारी और संवेदनशीलता आए, तो दुनिया को इस राजनीतिक बीमारी से बचाया जा सकता है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

Domestic Violence Act — कब लागू होता है और क्या अधिकार देता है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

घरेलू विवादों में "Domestic Violence" शब्द अक्सर सुनने को मिलता है, लेकिन इसे केवल शारीरिक हिंसा तक सीमित समझना एक बड़ी गलतफहमी है।

कानून के अनुसार, Domestic Violence में शारीरिक (physical), मानसिक (emotional), आर्थिक (economic) और मौखिक (verbal)सभी प्रकार की हिंसा शामिल होती है। यदि किसी महिला के साथ उसके पति या ससुराल पक्ष द्वारा ऐसा व्यवहार किया जाता है, तो वह इस कानून के तहत संरक्षण मांग सकती है।

यह कानून "Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005" के अंतर्गत आता है और इसका उद्देश्य महिला को त्वरित राहत प्रदान करना है।

इस अधिनियम के तहत महिला को कई प्रकार के अधिकार मिलते हैं—

- Protection Order (हिंसा रोकने का आदेश)
- Residence Order (घर में रहने का अधिकार)
- Monetary Relief (आर्थिक सहायता)
- Custody Order (बच्चों की अस्थायी कस्टडी)

महत्वपूर्ण बात यह है कि महिला को अपने "shared household" में रहने का अधिकार होता है, चाहे वह घर उसके नाम पर हो या नहीं। कई लोग यह मानते हैं कि इस कानून का केवल दुरुपयोग होता है, जबकि वास्तविकता यह है कि यह कानून जरूरतमंद महिलाओं को सुरक्षा देने के लिए बनाया गया है। हालांकि, हर केस अपने तथ्यों के आधार पर ही परखा जाता है।

निष्कर्ष: Domestic Violence Act केवल शारीरिक हिंसा तक सीमित नहीं है, बल्कि महिला के सम्मान और सुरक्षा से जुड़ा व्यापक कानून है। सही स्थिति में इसका उपयोग एक मजबूत कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है।

मैरिज पैलेसों में फायर सेफ्टी पर सवाल, लोगों में डर और नाराजगी

औरा गार्डन अग्निकांड के बाद भी नहीं जागा प्रशासन, बिना एनओसी चल रहे कई पैलेस

जीरकपुर/यूटर्न/24 अप्रैल। शहर के मैरिज पैलेसों में फायर सेफ्टी को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। लाखों रुपये लेकर भव्य आयोजनों का दावा करने वाले इन पैलेसों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी हो रही है। करीब 80 मैरिज पैलेसों में से सिर्फ लगभग 35 के पास ही फायर एनओसी है, जबकि बाकी बिना जरूरी मंजूरी के ही चल रहे हैं।

इस लापरवाही को लेकर अब आम लोगों में भी डर और गुस्सा बढ़ने लगा है। लोगों का कहना है कि प्रशासन और संबंधित विभाग तब तक नहीं जागते, जब तक कोई बड़ा हादसा न हो जाए।

औरा गार्डन हादसे के बाद भी हालात जस के तस

3 नवंबर 2025 को कालका रोड स्थित औरा गार्डन में हुए भीषण अग्निकांड के बाद भी हालात में कोई खास सुधार नहीं हुआ। उस समय करीब 1100 लोग आयोजन में मौजूद थे और आग पर काबू पाने के लिए छह दमकल

गाड़ियों को घंटों मशक्कत करनी पड़ी थी। जांच में सामने आया था कि संबंधित गार्डन के पास फायर एनओसी नहीं थी, लेकिन इसके बावजूद शहर के कई पैलेस अब भी बिना सुरक्षा इंतजामों के संचालित हो रहे हैं।

जांच रिपोर्ट भी ठंडे बस्ते में

नगर परिषद द्वारा गठित जांच कमेटी की रिपोर्ट पांच महीने बाद भी सामने नहीं आई है। इससे प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जिम्मेदारी तय करने की मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि सिर्फ नोटिस जारी करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि सख्त कार्रवाई की जरूरत है। जब तक नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं किया जाएगा, तब तक ऐसे हादसों का खतरा बना रहेगा। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सभी मैरिज पैलेसों की दोबारा जांच कराई जाए और जिनके पास फायर एनओसी नहीं है, उन्हें तुरंत सील किया जाए।

ढकोली पुलिस की कार्रवाई: पांच आरोपी गिरफ्तार, 6 ग्राम हेरोइन बरामद

नशा तस्करों पर शिकंजा: चेकिंग अभियान में पांच युवक दबोचे

जीरकपुर/यूटर्न/24 अप्रैल। नशे के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत ढकोली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 6 ग्राम हेरोइन बरामद की है। थाना ढकोली के प्रभारी इंस्पेक्टर सतनाम सिंह के नेतृत्व में एएसआई मेवा सिंह की निगरानी में पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था।

इसी दौरान पुलिस ने शक के आधार पर पांच युवकों को रोका और उनकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके पास से 6 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विशाल पुत्र स्वर्गीय अमित कुमार लाल निवासी सेक्टर-17, पंचकुला; शिवम सिंह पुत्र स्वर्गीय विजय सिंह निवासी सेक्टर-17ए, चंडीगढ़; भगवान पुत्र हवा

सिंह निवासी सूरजपुर, जिला पंचकुला; अमनदीप सिंह पुत्र नरिंदर सिंह निवासी गांव जीवेरी, जिला यमुनानगर; तथा नरिंदर सिंह सैनी पुत्र सतपाल सिंह सैनी निवासी गांव रामगढ़, जिला पंचकुला के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ थाना ढकोली में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 29, 61 और 85 के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सभी आरोपी आपस में जुड़े हुए हैं और नशीले पदार्थों की सप्लाई करने वाले नेटवर्क का हिस्सा हो सकते हैं।

फिलहाल पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर एक दिन का रिमांड हासिल किया है। इस दौरान यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वे हेरोइन कहां से लाते थे और किन-किन क्षेत्रों में इसकी सप्लाई करते थे। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उन्हें भी जल्द गिरफ्तार करने की तैयारी की जा रही है।

जिला पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशा तस्करों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

Uturn Time 25 Apr 2026_Layout 2 24-04-2026 23:22 Page 7

अवैध माइनिंग पर पुलिस की सख्ती: अमरावती क्षेत्र में नदी किनारें अवैध खनन सामग्री समेत 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

पंचकूला/यूटर्न/24 अप्रैल। पंचकूला में अवैध माइनिंग के खिलाफ चलाए जा रहे सख्त अभियान के तहत अमरावती चौकी इन्चार्ज सब इंस्पेक्टर प्रीतम सिंह की मौजूदगी में टीम ने कार्रवाई करते हुए बीती शाम व आज दोपहर बुर्जकोटियां के पास नदी में रंगे हाथ 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली को अवैध माइनिंग करने पकड़ा।

जांच के दौरान चालकों द्वारा वाहनों से संबंधित कोई भी वैध बिल अथवा टैक्स संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉली को अमरावती चौकी में खड़ा करवाया गया, एक वाहन को इंपाउंड करवा दिया गया व अन्य की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इस संबंध में डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिले में किसी भी सूरत में अवैध माइनिंग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अवैध माइनिंग पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जिला पुलिस की

एंटी-इलीगल माइनिंग टीमें और स्थानीय थाना व चौकी स्तर की टीमें संबंधित विभागों के साथ बेहतर तालमेल बनाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी के साथ-साथ फील्ड में भी लगातार गश्त की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके।

डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने आमजन से भी अपील की कि यदि कहीं भी अवैध माइनिंग या इससे जुड़ी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले, तो तुरंत पुलिस या संबंधित विभाग को सूचित करें, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

योगेश्वर शर्मा ने सभी आप राज्यसभा सांसदों का भाजपा में स्वागत किया

योगेश्वर शर्मा ने राघव चड्ढा, संदीप पाठक, स्वाति मालीवाल सहित सभी आप नेताओं का भाजपा में स्वागत किया।

पंचकूला/यूटर्न/24 अप्रैल। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता योगेश्वर शर्मा का कहना है कि देश की राजनीति में आज एक बड़ा और निर्णायक बदलाव सामने आया है। आम आदमी पार्टी के कई राज्यसभा सांसदों राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालिवाल, राजेंद्र गुप्ता एवं विक्रम साहनी ने आम आदमी पार्टी की विफल नीतियों और नेतृत्व से निराश होकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

भाजपा की ओर से पार्टी में शामिल होने पर इन नेताओं का जोरदार स्वागत करते हुए योगेश्वर शर्मा ने कहा कि सच्चाई यह है कि आम आदमी पार्टी अब ह्लआमह्व नहीं रही, बल्कि अहंकार, अवसरवाद और भ्रम की राजनीति का केंद्र बन चुकी है। जिस पार्टी ने ईमानदारी और पारदर्शिता का दावा किया था, वही आज आंतरिक कलह, तानाशाही नेतृत्व और जनता से किए वादों की खुली अनदेखी

एवं भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गई है। उन्होंने कहा कि इन वरिष्ठ नेताओं का यह निर्णय इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि अब सच्चाई छुपाई नहीं जा सकती।

आम आदमी पार्टी का झूठ और दिखावे का मुखौटा उतर चुका है। इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र के साथ देश को नई दिशा दी है। आज भारत विश्व मंच पर मजबूती से खड़ा है, और यही विश्वास देश के हर जिम्मेदार जनप्रतिनिधि को भाजपा की ओर आकर्षित कर रहा है। यह सिर्फ दल परिवर्तन नहीं, बल्कि देशहित में लिया गया एक साहसिक और सही निर्णय है। आने वाले समय में यह स्पष्ट हो जाएगा कि जनता अब भ्रम की राजनीति नहीं, बल्कि विकास और राष्ट्रवाद की राजनीति को ही चुनेगी। उन्होंने कहा कि मैं पुनः सभी नए साथियों का भाजपा परिवार में स्वागत करता हूँ और विश्वास दिलाता हूँ कि हम सब मिलकर राष्ट्र निर्माण के इस अभियान को और तेज करेंगे।

- योगेश्वर शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी अपने सिद्धांतों से भटक चुकी है।
- योगेश्वर शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी अब 'आम' नहीं रही, बल्कि अहंकार, अवसरवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति का केंद्र बन चुकी है।

सेक्टर 86 प्रीत सिटी के निवासियों के साथ हो रही धक्केशाही बर्दाश्त नहीं करेगी भाजपा हरदेव सिंह उम्भा

मोहाली/यूटर्न/24 अप्रैल। भारतीय जनता पार्टी पंजाब के प्रदेश प्रेस सचिव हरदेव सिंह उम्भा ने कहा कि सेक्टर 86 प्रीत सिटी के निवासियों के साथ हो रही धक्केशाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि एनओसी के नाम पर लोगों से ढाई लाख रुपये वसूलना सीधे तौर पर बेइंसाफी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाके में सड़कें, सीवरेज, एसटीपी, साफ-सफाई, पीने के पानी और पार्कों जैसी बुनियादी सुविधाओं की भी भारी कमी है, जिसके कारण लोग काफी परेशान हैं। इसके अलावा कई निवासियों को अपने प्लॉटों, अनअप्रूव्ड प्लॉट और मालिकाना हक से जुड़ी समस्याओं के कारण अदालतों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। हरदेव सिंह उभ्भा ने कहा कि जब पंजाब में भाजपा की सरकार बनेगी तो इलाके के लोगों को इंसाफ दिलाया जाएगा और उनकी सभी जायज मांगों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा लोगों के हकों के लिए खड़ी रही है और आगे भी खड़ी रहेगी। उभ्भा के साथ सेक्टर 86 निवासी भाजपा नेता रितेश सैनी भी मौजूद थे, जो लगातार प्रीत सिटी निवासियों की समस्याओं को हल करवाने के प्रयास कर रहे हैं।

भाजपा के पंजाब प्रभारी के साथ नेताओं ने की मीटिंग, पार्टी की गतिविधियों को लेकर हुई चर्चा

लुधियाना/यूटर्न/24 अप्रैल। बीजेपी के पूर्व जिला प्रधान डॉ. सुभाष वर्मा और भाजपा नेता जीवन गुप्ता की और से बीजेपी के पंजाब प्रभारी और जम्मू से विधायक नरिंदर रैणा के साथ मुलाकात की गई।

इस दौरान उन्होंने पार्टी गतिविधियों के बारे में विचार से चर्चा की। वहीं बता दें कि डॉ. सुभाष वर्मा ने पिछले दिनों पार्टी प्रति अपनी नाराजगी जताई थी। उनका कहना था कि पार्टी की और से अपने नेताओं की सार नहीं ली जा रही। जिसके चलते कहीं न कहीं इस मुलाकात को उनकी नाराजगी दूर करने के साथ भी जोड़कर देखा जा रहा है। बता दें कि विधायक नरिंदर रैणा लुधियाना दौरे पर आए थे। इस दौरान यह मीटिंग हुई।

डीसीपी क्राइम की अध्यक्षता में हुई साइबर अपराध को लेकर समीक्षा बैठक, लंबित शिकायतों के निपटारे का दिया अल्टीमेटम

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/24 अप्रैल। पंचकूला पुलिस आयुक्त कार्यालय में डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह की अध्यक्षता में साइबर अपराध की रोकथाम और लंबित शिकायतों के त्वरित निवारण को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में साइबर थाना प्रभारी युद्धवीर सिंह सहित विभिन्न जांच अधिकारी मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में साइबर फ्रॉड के मामलों पर अंकुश लगाना और पीड़ितों को राहत पहुँचाने की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाना था। बैठक के दौरान डीसीपी

क्राइम ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी जांच अधिकारियों को निर्देश दिए कि साइबर धोखाधड़ी से संबंधित शिकायतों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसीपी क्राइम ने विशेष रूप से उन मामलों पर जोर दिया जहाँ पीड़ितों की राशि बैंक खातों में होल्ड की गई है। उन्होंने आदेश दिए कि नियमानुसार कानूनी प्रक्रिया और सुपरदारी के माध्यम से पीड़ितों को उनकी मेहनत की कमाई जल्द से जल्द वापस दिलवाई जाए, ताकि उन्हें आर्थिक मानसिक राहत मिल सके।

पुराने और अनसुलझे मामलों को सुलझाने के लिए डीसीपी क्राइम एंड टैफिक ने एक विशेष कार्ययोजना की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पुराने मामलों के निपटान के लिए जल्द ही एक विशेष टीम का गठन किया जाएगा, जो न केवल हरियाणा बल्कि राज्य से बाहर भी संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी करेगी। कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और तेजी सुनिश्चित करने के लिए डीसीपी क्राइम ने यह भी कहा कि वे खुद हर सप्ताह लंबित मामलों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इसके साथ ही, जिले के हर कोने में साइबर जागरूकता अभियानों को और अधिक आक्रामक और व्यापक स्तर पर चलाने का निर्णय लिया गया है।

डीसीपी क्राइम एंड टैफिक की आमजन को विशेष एडवाइजरी...डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने जिले के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर अपने फोन में रिमोट एक्सेस ऐप डाउनलोड न करें। इसके अलावा अपना ओटीपी पिन या बैंक पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। बैंक कभी भी फोन पर ऐसी जानकारी नहीं मांगता। साथ ही व्हाट्सएप या ईमेल पर आने वाले लॉटरी, बिजली बिल कटने या केवाईसी अपडेट करने के लुभावने और डराने वाले लिंक पर क्लिक न करें।

Uturn Time 25 Apr 2026_Layout 2 24-04-2026 23:22 Page 8

सेक्टर-17 मल्टीलेवल पार्किंग में खामियों पर चीफ इंजीनियर सख्त, तुरंत सुधार के दिए आदेश

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/24 अप्रैल। नगर निगम चंडीगढ़ के चीफ इंजीनियर संजय अरोड़ा ने शुक्रवार को सेक्टर-17 स्थित मल्टीलेवल पार्किंग का विस्तृत निरीक्षण किया और वहां पाई गई खामियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए अधिकारियों को तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ एमसी चंडीगढ़ के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर और अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। चीफ इंजीनियर ने पार्किंग की कार्यप्रणाली और रखरखाव का जायजा लिया तथा कई कमियों की पहचान की।

उन्होंने टूटे हुए रास्तों, दरवाजों, खिड़कियों के शीशों और रोलिंग शटर सहित क्षतिग्रस्त ढांचे की तुरंत मरम्मत के निर्देश दिए। साथ ही सभी पार्किंग फ्लोर की नियमित और गहन सफाई सुनिश्चित करने को कहा।

सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए संजय अरोड़ा ने फायर फाइटिंग सिस्टम की व्यापक जांच कर उसे जल्द पूरी तरह चालू करने के आदेश दिए। इसके अलावा पार्किंग परिसर में पानी की पर्याप्त व्यवस्था और सम्प के सुचारु संचालन पर भी जोर दिया।

उपयोगकताओं की सुविधा बढ़ाने के लिए सभी फ्लोर पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था, एग्जॉस्ट और वेंटिलेशन सिस्टम को बहाल करने तथा पार्किंग क्षमता और उपयोग के दैनिक रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने के निर्देश भी जारी किए गए।

उन्होंने अवैध रूप से वाहनों की एंट्री पर भी गंभीर चिंता जताई और ऐसे सभी रास्तों की पहचान कर उन्हें बंद करने को कहा। साथ ही प्रवेश और निकास मार्गों का उचित चैनलाइजेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चीफ इंजीनियर ने स्पष्ट साइनेज लगाने, पार्किंग की ऊपरी मंजिल पर लैंडस्केपिंग कार्य शुरू करने और ऑटोमैटिक स्लिप जनरेटिंग सिस्टम को अपग्रेड करने के भी आदेश दिए।

इसके अलावा पार्किंग फ्लोर पर पड़े अनुपयोगी और छोड़े गए सामान को तुरंत हटाने तथा एक सप्ताह के भीतर पूरी सफाई और स्पेस ऑप्टिमाइजेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

संजय अरोड़ा ने कहा कि नगर निगम नागरिकों को बेहतर और सुविधाजनक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और तय समय सीमा में सभी निदेर्शों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

मलोया गौशाला पहुंचे जॉइंट कमिश्नर बलबीर राज सिंह, पशु कल्याण और सामुदायिक परियोजनाओं की समीक्षा

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/24 अप्रैल। नगर निगम चंडीगढ़ के जॉइंट कमिश्नर बलबीर राज सिंह ने शुक्रवार को मलोया गौशाला का विस्तृत निरीक्षण किया और पशु कल्याण के साथ-साथ सामुदायिक विकास परियोजनाओं को मजबूत करने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने सेल्फ हेल्प ग्रुप (एसएचजी) द्वारा संचालित 'अर्पण प्रोजेक्ट' और मलोया गांव का भी दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ मेडिकल ऑफिसर ऑफ हेल्थ डॉ. इंदरदीप कौर और नगर निगम के अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। गौशाला में जॉइंट कमिश्नर ने गायों की देखभाल, पोषण, स्वास्थ्य और संपूर्ण प्रबंधन की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशुओं के लिए पर्याप्त चारा, स्वच्छ पेयजल, समय पर पशु चिकित्सा सुविधा और साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बलबीर राज सिंह ने कहा कि गौशालाएं केवल आश्रय स्थल नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण के साथ संचालित आदर्श केंद्र होने चाहिए, जहां आवारा और परित्यक्त पशुओं को सम्मान और सुरक्षित वातावरण मिल सके। उन्होंने गौशाला के शेल्टर इंफ्रास्ट्रक्चर, कचरा प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था की भी समीक्षा की और कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने नियमित स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण अभियान और पशुओं के रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने पर जोर दिया, ताकि बीमारियों की रोकथाम और बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित हो सके। साथ ही गोबर के उपयोग से ऑर्गेनिक कम्पोस्टिंग और बायोगैस उत्पादन जैसी टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल व्यवस्थाओं को अपनाने की बात भी कही।

अर्पण प्रोजेक्ट के निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिलाओं द्वारा संचालित इस पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह की सामुदायिक परियोजनाएं न केवल आजीविका को बढ़ावा देती हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर सामाजिक विकास को भी मजबूत करती हैं।

मलोया गांव में उन्होंने स्थानीय प्रतिनिधियों से बातचीत कर नागरिक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। जॉइंट कमिश्नर ने कहा कि समावेशी विकास के लिए पशु कल्याण, सामुदायिक भागीदारी और टिकाऊ व्यवस्थाओं का साथ-साथ चलना जरूरी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शहर की गौशालाओं और सामुदायिक परियोजनाओं के बेहतर संचालन के लिए लगातार निगरानी और आवश्यक सहयोग जारी रहेगा।

पिटकर चमकी या टूट गई? बीजेपी की सियासी भट्ठी में आप की अग्निपरीक्षा

संदीप शर्मा, सम्पादक

चंडीगढ़। सोने को जितना ज्यादा पीटा जाता है, वह उतना ही ज्यादा चमकता है। आम आदमी पार्टी के लिए यह कहावत या तो एक वादा है या फिर एक चेतावनी। भारतीय जनता पार्टी के साथ बढ़ते टकराव में फंसी आप को अब न सिर्फ बाहरी दबाव का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि पार्टी के भीतर भी साफ तौर पर उथल-पुथल मची हुई है। राघव चड्ढा और अशोक मित्तल के पार्टी छोड़ने से हालात और भी ज्यादा गंभीर हो गए हैं; साथ ही, पार्टी के अंदरूनी हलकों में भी बड़े पैमाने पर असंतोष फैलने की खबरें आ रही हैं। हाल ही में मित्तल के यहाँ ईडी ने छापा भी मारा था। इस बेचैनी को और बढ़ाने वाली बात ये दावे हैं कि हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजिंदर गुप्ता, विक्रम साहनी और संदीप पाठक जैसे बड़े नेता पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। ये ऐसे दावे हैं, जिनका अंतिम नतीजा चाहे जो भी हो, लेकिन इनसे पार्टी के भीतर अस्थिरता की धारणा और भी ज्यादा गहरी होती जा रही है। इन सबके केंद्र में अरविंद केजरीवाल खड़े हैं, जो शायद अपनी सियासी सफर के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। उनके इर्द-गिर्द, पार्टी का मुख्य नेतृत्व लगातार दबाव में रहा है। मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और सत्येंद्र जैन, इन सभी को कानूनी जाँच का सामना करना पड़ा है, जिसकी वजह से आप को हमेशा बचाव की मुद्रा में ही रहना पड़ा है। पंजाब में, जहाँ एक तरफ राष्ट्रीय स्तर पर सियासी माहौल में काफी उथल-पुथल मची हुई है, वहीं दूसरी तरफ भगवंत मान सरकार की कमान को मजबूती से संभाले हुए हैं।

चड्ढा और मित्तल के पार्टी छोड़ने का महत्व महज आँकड़ों तक ही सीमित नहीं है। चड्ढा राष्ट्रीय राजनीति में आप के एक मुखर और नीति-केंद्रित चेहरे के तौर पर जाने जाते थे, तो वहीं मित्तल व्यापार और संस्थागत हलकों में पार्टी की पहुँच का प्रतिनिधित्व करते थे। ऐसे समय में, जब सियासी मुकाबला अपने चरम पर है, इन दोनों नेताओं का पार्टी छोड़ना एक साफ संकेत देता है। यह विस्तार का नहीं, बल्कि सिकुड़ने का संकेत है।

दूसरी तरफ, बीजेपी एक ऐसी रणनीति पर काम करती हुई नजर आ रही है, जिसके तहत वह आप पर लगातार चाहे वह सियासी हो, कानूनी हो या फिर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाए हुए है। आप को आरोपों, नेताओं के पार्टी छोड़ने और सफाइयाँ देने में उलझाकर बीजेपी ने बड़ी ही चालाकी से लोगों का ध्यान ह्यसुशासनह्न के मुद्दे से हटा दिया है और यह वही मुद्दा है, जिसके दम पर आप ने अपनी पहचान बनाई थी।

फिर भी, कहानी अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है। आतिशी मालेर्ना और सौरभ भारद्वाज जैसे नेता अभी भी प्रशासनिक मोर्चे पर डटे हुए हैं और इस अफरा-तफरी के माहौल में भी पार्टी की निरंतरता को बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। आप अभी भी दिल्ली और पंजाब में सत्ता में है। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो उसे एक तरफ तो मोल-भाव करने की ताकत देती है, तो वहीं दूसरी तरफ उस पर बड़ी ज़िम्मेदारी भी डालती है। लेकिन अब पार्टी का अस्तित्व इस बात पर निर्भर करता है कि वह खुद को किस तरह से नए सिरे से ढालती है। क्या आप अपने मौजूदा 'नेतृत्व-केंद्रित' मॉडल से आगे बढ़कर अपना विस्तार कर पाएगी? क्या वह एक बार फिर से सियासी विमर्श पर अपना नियंत्रण हासिल कर पाएगी? क्या यह मतदाताओं को यह यकीन दिला पाएगी कि यह अभी भी सुशासन के लिए एक आंदोलन है, न कि सिर्फ अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करती कोई दूसरी पार्टी? और सबसे बढ़कर, क्या मीडिया सत्ता के सामने सच बोलने का साहस करता है?

क्योंकि यह कहावत दोनों तरफ लागू होती है। सोना चोट पड़ने पर और भी ज्यादा चमक सकता है। लेकिन तभी, जब वह हथौड़े की मार से टूट न जाए। और यहाँ, बीजेपी ही वह हथौड़ा है।

Uturn Time 25 Apr 2026_Layout 2 24-04-2026 23:22 Page 9

पूरे पंजाब में जिला अधिकारियों ने की मॉकड्रिल, 15 मिनट के लिए ब्लैकआउट कर बचाव टीमों ने किया अभियास

लुधियाना/यूटर्न/24 अप्रैल। शुक्रवार को पूरे पंजाब में जिला प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मॉकड्रिल की गई। इस दौरान करीब 15 मिनट के लिए शहर के कुछ हिस्सों में ब्लैकआउट कर दिया गया। जिसके बाद बचाव कार्य टीमों द्वारा अभियास किया गया। हालांकि इस ब्लैकआउट और मॉकड्रिल की खबर सामने आने के बाद राज्य की जनता में काफी डर का माहौल बना हुआ है। लेकिन अधिकारियों द्वारा इससे न घबराने की बात कही जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ अभियास के लिए किया गया था। इससे अधिक अभी तक कुछ नहीं है। वहीं लुधियाना में पीएयू, किचलू नगर व अग्रनगर डिवीजन के क्षेत्रों में ब्लैकआउट किया गया। शाम करीब 7:55 बजे पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी में सायरन बजा और उसके बाद आठ बजे डेजिगनेटिड एरिया में ब्लैक आउट किया गया। ब्लैक आउट की मॉक ड्रिल के लिए जिला प्रशासन ने अलग-अलग विभागों को जिम्मेदारी सौंपी थी। ब्लैक आउट के समय पीएसपीसीएल डेजिगनेटिड एरिया की पावर सप्लाई बंद रही। इस दौरान एडीशनल डिप्टी कमिश्नर पूनम सिंह ने कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। यह अभ्यास पूरी तरह एक तैयारी के रूप में किया गया, जिसका उद्देश्य भविष्य में किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारी का मूल्यांकन करना था। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी अफवाह या गलत खबर पर ध्यान न दें और न ही उसे फैलाएं।

सभी टीमें रही मौजूद

लुधियाना में पीएयू के एरिया में यह अभियास किया गया। इस दौरान एनडीआरएफ, पुलिस प्रशासन, हेल्थ डिपार्टमेंट, होमगार्ड, फायर बिग्रेड विभाग और मिलिट्री, एनसीसी की टीमें मौजूद थी। इन सभी टीमों द्वारा अपनी क्षमता के दौरान अभियास में हिस्सा लेकर कार्य किए गए। इस दौरान पीएयू का स्टॉफ व स्टूडेंट्स अभियास देखते हुए नजर आए। अधिकारियों ने कहा कि यह सिर्फ रुटीन अभियास था। जिसके चलते अगर कोई घटना होती है तो उस समय कैसे राहत कार्य किया जाए, उसकी मुलाजिमों को जानकारी दी गई है।

लोगों में डर का माहौल

बेशक प्रशासन द्वारा यह मॉकड्रिल 15 मिनट के लिए की गई। लेकिन दो दिन से चल रहे इसके प्रचार के कारण पहले से ही लोगों के मन में डर बैठ गया है। वहीं लोग इसे लेकर आपस में चचार्ए करते हुए नजर आए। वहीं हाल ही में पहले पाकिस्तान और भारत में विवाद होना और फिर ईरान और अमेरिका में हुई जंग के कारण लोगों का ध्यान उस तरफ भी जा रहा है।

पेट्रोल बम से घर पर हमला करने वाले 3 गिरफ्तार, आरोपियों के जानकार ने दी अपने रिश्तेदार की सुपारी

पंजाब/यूटर्न/24 अप्रैल। संगरूर जिले के धूरी में पेट्रोल बम से घर पर हमला करने के आरोप में कुछ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद आरोपियों का पता लगाकर उन्हें पकड़ा। एसपी सरताज सिंह चाहल ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों ने गलती से किसी और घर पर हमला कर दिया था। उनका निशाना कोई और घर था। इस घटना में किसी प्रकार का जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। पकड़े गए आरोपियों की पहचान वंश, समीर उर्फ बॉबी और समीर उर्फ काका के रूप में हुई है। तीन धूरी शहर के ही रहने वाले हैं। एसपी ने बताया कि पुलिस ने जिस बाइक से वारदात को अंजाम दिया उसको जब्त कर लिया गया है।

रिश्तेदार के घर पर हमला करने को दी सुपारी

एसपी ने बताया कि यह कोई बम से हमला नहीं था। कांच की बोतलों में पेट्रोल भरकर हमला किया गया था। यह सुपारी आरोपियों के एक जानकार ने दी थी। आरोपियों के जानकार को अपने रिश्तेदार के घर पर हमला करवाना था। लेकिन आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह गलत घर पर हमला कर दिया था।

आरोपियों के पिछले रिकॉर्ड की होगी जांच

पुलिस अब यह जांच कर रही है कि क्या गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड है। एसपी चाहल ने स्पष्ट किया कि अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले को सुलझाने के लिए पुलिस ने काफी प्रयास किए। एसपी ने आम जनता से भी अपील की है कि पुलिस 24 घंटे उनकी सेवा में तत्पर है और किसी भी समस्या के लिए सीधे संपर्क किया जा सकता है।

बीसीएम आर्य मॉडल स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह 2026 का भव्य आयोजन

लुधियाना/यूटर्न/24 अप्रैल। बीसीएम आर्य मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लुधियाना में 24 अप्रैल 2026 को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह बड़े उत्साह, गर्व और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह का उद्देश्य विद्यार्थियों की उत्कृष्ट उपलब्धियों का सम्मान करना, उनके परिश्रम को सराहना तथा उन्हें भविष्य के लिए प्रेरित करना रहा। समारोह के मुख्य अतिथि डीसी हिमांशु जैन थे। अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने, कठिनाइयों से न घबराने और समाज के प्रति सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सफलता के तीन महत्वपूर्ण सूत्र विश्वास, अनुशासन और निरंतरता को जीवन में अपनाने पर बल दिया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राकेश जैन, उपाध्यक्ष व्यास बेंबी, विनोद सहगल, मानद सचिव कैप्टन वी.के. सयाल तथा अन्य सम्माननीय अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। वार्षिक प्रतिवेदन 2025-26 में विद्यालय की शैक्षणिक, खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण मेधावी विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित करना रहा। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुजा कौशल ने अपने संदेश में कहा कि रिपोर्ट कार्ड केवल विद्यार्थियों की प्रगति का एक हिस्सा है। उन्होंने विद्यार्थियों को अंकों से आगे बढ़कर जिज्ञासु, नवाचारी, विचारशील तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

कारोबारी से जमीन के नाम पर दिल्ली के बिल्डर ने मारी तीन करोड़ की ठगी, मामला दर्ज

लुधियाना/यूटर्न/24 अप्रैल। सराभा नगर में एक व्यक्ति को 21 करोड़ की जमीन दिखाकर उससे 3 करोड़ रुपए हड़प लिए। करीब तीन साल की जांच के बाद पुलिस ने दिल्ली के एक नामी बिल्डर पर धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है। थाना सराभा नगर की पुलिस ने मनजोत सिंह मान की शिकायत पर दिल्ली के मालवीय नगर निवासी पुनीत बेरीवाला के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता मनजोत सिंह मान ने बताया कि वह फाइनवे इंक्लेव प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े हैं। आरोपी दिल्ली का बिल्डर है। वह खुद को विप्पल लिमिटेड का संचालक बताता था और उसने भनोहड़ व दाखा गांव की करीब 10.83 एकड़ जमीन का बड़ा प्रोजेक्ट विप्पल वर्ल्ड दिखाया। इसमें 7.47 एकड़ जमीन ग्रुप हाउसिंग के लिए और 3.36 एकड़ कमर्शियल इस्तेमाल के लिए अप्रूव्ड बताई गई थी। दोनों पक्षों के बीच यह पूरी डील 21 करोड़ रुपये में फाइनल हुई। मनजोत सिंह ने पुनीत की बातों पर भरोसा करते हुए 30 जून 2021 को 3 करोड़ रुपये एडवांस के तौर पर ट्रांसफर कर दिए। लेकिन जैसे ही जमीन की रजिस्ट्री का समय आया, पुनीत बेरीवाला बहाने बनाने लगा। शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्होंने कई बार रजिस्ट्री कराने या फिर पैसे ब्याज सहित वापस करने की मांग की, लेकिन आरोपी ने न तो जमीन दी और न ही पैसे लौटाए। वह खुद को बड़ी कंपनी का मालिक बताकर रसूख झाड़ता रहा और लगातार टालता रहा।

Uturn Time 25 Apr 2026_Layout 2 24-04-2026 23:22 Page 10

जनगणना 2027 के लिए एमसी चंडीगढ़ ने शुरू किया सेल्फ-एन्यूमरेशन अभियान

चंडीगढ़/यूटर्न/24 अप्रैल। जनगणना से जन कल्याण थीम के तहत नगर निगम चंडीगढ़ ने जनगणना 2027 के लिए सेल्फ-एन्यूमरेशन (स्व-गणना) अभियान चलाकर सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया। इस पहल के माध्यम से एमसी चंडीगढ़ ने सुशासन और राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। यह अभियान एमसी कमिश्नर अमित कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें जॉइंट कमिश्नर डॉ. हिमांशु गुप्ता, चीफ इंजीनियर संजय अरोड़ा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम जनगणना विभाग के अधिकारियों के समन्वय से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य डिजिटल माध्यम से होने वाली स्व-गणना प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सेल्फ-एन्यूमरेशन प्रक्रिया में हिस्सा लिया और सटीक, पारदर्शी एवं विश्वसनीय डेटा संग्रहण में इसकी भूमिका को समझा। अधिकारियों को बताया गया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जनगणना प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और सरल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर कमिश्नर अमित कुमार ने कहा कि सटीक जनगणना डेटा प्रभावी शासन की नींव होता है, जिससे योजनाओं का निर्माण, नीतियों का निर्धारण और जनकल्याणकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन संभव होता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे स्व-गणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। नगर निगम चंडीगढ़ ने जनगणना 2027 के सफल आयोजन के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए सभी शहरवासियों से सेल्फ-एन्यूमरेशन सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की।

निरंकारी भवन में लगे रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं में दिखा भारी उत्साह

रक्तदाता गुरचरण सिंह ने 35वीं बार किया रक्तदान, लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए करता रहता हूँ प्रेरित: गुरचरण सिंह

चंडीगढ़/यूटर्न/24 अप्रैल। संत निरंकारी मिशन द्वारा बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में मानव एकता दिवस के उपलक्ष्य में संत निरंकारी चेरीटेबल फाउंडेशन की तरफ से निरंकारी भवन सेक्टर-30 चंडीगढ़ में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया, इस मौके पर भारी संख्या में इस फाउंडेशन से जुड़े सदस्यों ने हिस्सा लेकर मानव सेवा की मिशाल कायम की इस मौके पर समाजसेवी गुरचरण सिंह, जो पिछले 30 सालों से लगातार रक्त दान करते आ रहे हैं, हमेशा की भाँति इस साल भी उन्होंने 35वीं

बार रक्तदान किया और संकल्प लिया कि सतगुरु माता सुदिच्छा जी का आशीर्वाद रहा तो आगे भी ऐसी सेवा करते रहेंगे उन्होंने कहा कि वे लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करते हैं, ताकि स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता है, बल्कि शरीर को लाभ मिलता है और व्यक्ति निरोग रहता है। उन्होंने आगे कहा कि थैलेसीमिया मरीज छोटे- छोटे बच्चों के जीवन को बचाने के लिए हर एक व्यक्ति को आगे आने की जरूरत है। यह हमारा सामाजिक दायित्व है कि किसी के जीवन को बचाने के लिए आगे आएं। रक्तदान करने से शरीर को लाभ मिलता है और व्यक्ति को किसी भी तरह की बीमारी नहीं होती है।

आईपीएल के बीच शिमला पहुंचीं प्रीति जिंटा, बोली- गर्मी और आईपीएल से ब्रेक लेने आई हूं

शिमला/यूटर्न/24 अप्रैल। बॉलीवुड अभिनेत्री और हिमाचल की बेटी प्रीति जिंटा देश में आईपीएल के रोमांच के बीच शिमला पहुंची हैं। प्रीति ने खुद सोशल मीडिया पर पहाड़ी एवं किन्नौर टोपी के साथ अपनी फोटो शेयर की। अब उनका यह पोस्ट खूब वायरल हो रहा है। इस पर कैप्शन लिखा कि हिमाचल की अपनी छोटी, लेकिन प्यारी यात्रा के हर पल का मजा ले रही हूं, गर्मी और IPL से थोड़े आराम के लिए आई हूं। प्रीति आगे लिखती हैं- उफ! ये पहाड़ तो सच में बहुत जादुई हैं।

बर्फ के दौरान भी भावुक पोस्ट शेयर की थी

पंजाब किंग्स की सह-मालकिन प्रीति जिंटा रोहडू से संबंध रखती हैं। करीब तीन महीने पहले भी वह अपने बच्चों के साथ यहां आई थीं। उस दौरान उन्होंने बर्फबारी के बीच बिताए खास पलों को साझा करते हुए एक भावुक पोस्ट लिखा था। उन्होंने लिखा था कि बच्चों के साथ मिलकर उन्होंने बर्फ से एक स्नो गर्ल बनाई, जिसे सुंदर स्नो स्कर्ट से सजाया गया।

पंजाब में 76 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद, खाद्य मंत्री ने किया मंडी का निरीक्षण, बोले- 24 घंटे में हो रहा भुगतान

तरनतारन/यूटर्न/24 अप्रैल। पंजाब में गेहूं खरीद गतिविधियां तेजी से जारी हैं। राज्य के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री लाल चंद कटारूचक ने बताया कि किसानों को खरीद के 24 घंटे के भीतर भुगतान मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की किसान-हितैषी खरीद सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। यह लगातार चौथा सफल खरीद सीजन है। कैबिनेट मंत्री ने झबल अनाज मंडी में व्यवस्थाओं का जायजा लिया और खरीद प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि अब तक राज्य की मंडियों में 80 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है, जिसमें से 76 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है। यह कुल आवक का 96 प्रतिशत है। इस सीजन में राज्य का लक्ष्य 122 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदने का है।

मंत्री मंडी का निरीक्षण कर व्यवस्था देखी

मंत्री कटारूचक ने मंडी में मौजूद किसानों से भी बातचीत की और खरीद के काम और संबंधित अधिकारियों द्वारा किसानों के लिए किए गए इंतजामों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान, उन्होंने लिफ्टिंग कर रहे मजदूरों से भी बातचीत की और उन्हें कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने स्लीप एपनिया पर आयोजित की जागरूकता कार्यशाला

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/24 अप्रैल। सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और ट्रैफिक कर्मियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने शुक्रवार को ट्रैफिक लाइंस, सेक्टर-29 में 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का साइलेंट बर्डन' विषय पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की।

यह कार्यशाला पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के ईएनटी विभाग की स्लीप लैब के इंचार्ज एवं प्रोफेसर डॉ. संदीप बंसल के समन्वय से आयोजित की गई। डॉ. बंसल इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स

फॉर स्लीप एपनिया (ASSA) के अध्यक्ष भी हैं। कार्यशाला में 93 ड्राइवरों और ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने भाग लिया। इस दौरान डॉ. बंसल ने ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के कारण, इसके दुष्प्रभाव और इससे बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्लीप एपनिया एक गंभीर लेकिन अक्सर नजरअंदाज की जाने वाली समस्या है, जो वाहन चालकों के लिए विशेष रूप से खतरनाक साबित हो सकती है। इससे नींद पूरी न होने, थकान, ध्यान में कमी और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। डॉ. बंसल ने प्रतिभागियों को पीजीआईएमईआर की हेल्पलाइन और ओपीडी सेवाओं की जानकारी भी दी, ताकि जरूरत पड़ने पर समय पर जांच और उपचार संभव हो सके। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं न केवल कर्मचारियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी अहम भूमिका निभाती हैं।

भाजपा जिला जगरांव में संगठनात्मक विस्तार

एडवोकेट विवेक भारद्वाज जिला उपाध्यक्ष और दर्पन साहनी लीगल सेल के सह-संयोजक नियुक्त

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/24/अप्रैल। भारतीय जनता पार्टी के सांगठनिक ढांचे को मजबूती देने के उद्देश्य से जिला जगरांव में महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गई हैं। पार्टी के प्रति समर्पण और सक्रियता को देखते हुए एडवोकेट विवेक भारद्वाज को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही, एडवोकेट दर्पन साहनी को जिला लीगल सेल का सह-संयोजक (Co-convener) नियुक्त किया गया है। पार्टी नेतृत्व के अनुसार, ये नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं।

प्रमुख बिंदुः

विवेक भारद्वाजः पार्टी के प्रति उनके पिछले योगदान और अनुभव को देखते हुए उन्हें जिले का मीत प्रधान (उपाध्यक्ष) नियुक्त किया गया।

दर्पन साहनीः कानूनी मामलों में उनकी विशेषज्ञता को देखते हुए उन्हें लीगल सेल की कमान दी गई है। आगामी नगर परिषद और विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत सुनिश्चित करना।

नवनियुक्त पदाधिकारी

'हम पार्टी हाईकमान के भरोसे पर पूरी तरह खरा उतरेंगे। तन-मन से संगठन की सेवा करते हुए हमारा एकमात्र लक्ष्य पंजाब में भाजपा का परचम लहराना है।'

मिशन 2027 और नगर परिषद चुनावः-इन नियुक्तियों को आगामी चुनावों की तैयारियों के तौर पर देखा जा रहा है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने विश्वास दिलाया है कि वे जमीनी स्तर पर पार्टी की नीतियों को पहुंचाएंगे और आने वाले चुनावों में पंजाब के भीतर भाजपा को एक सशक्त विकल्प के रूप में स्थापित करेंगे।

पुलिस का कॉसो ऑपरेशन, नशे के खिलाफ कार्रवाई, ड्रग हॉटस्पॉट्स पर 100 पुलिसकर्मियों ने की सर्च

पंजाब/यूटर्न/24 अप्रैल। जाब में नशे की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान ‘युद्ध नशों के विरुद्ध’ के तहत मोगा पुलिस ने जिले में एक विशेष 'उअरड ऑपरेशन' चलाया। यह कार्रवाई डीजीपी पंजाब श्री गौरव यादव के निर्देशों पर नशे से प्रभावित और संदिग्ध इलाकों को निशाना बनाते हुए की गई। एसएसपी मोगा अजय गांधी के नेतृत्व में, जिले के विभिन्न ड्रग हॉटस्पॉट्स पर घेराबंदी कर तलाशी और जांच अभियान चलाया गया। इस ऑपरेशन में लगभग 100 पुलिसकर्मियों की अलग-अलग टीमें शामिल थीं, जिन्होंने क्षेत्र में गहन जांच की और संदिग्ध व्यक्तियों व गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी। पुलिस की इस अचानक कार्रवाई से नशा तस्करों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे अभियानों का मुख्य उद्देश्य नशे की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ना और समाज में इसके बढ़ते दुष्प्रभावों को रोकना है। डीएसपी सिटी ने आम जनता से नशा मुक्त पंजाब के निर्माण में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि किसी के पास नशा बेचने, खरीदने या संबंधित गतिविधियों की जानकारी है, तो वे मोगा पुलिस के कंट्रोल रूम नंबर 96568-96568 या सेफ पंजाब हेल्पलाइन 97791-00200 पर सूचना दे सकते हैं। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

गोल्डन टेंपल आए परिवार को चालान की धमकी, 2 मुलाजिमों पर नकदी छीनने का आरोप, एक सस्पेंड

अमृतसर/यूटर्न/24 अप्रैल। अमृतसर स्थित राम तलाई चौक के पास गोल्डन टेंपल माथा टेकने आए श्रद्धालुओं ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित परिवार का कहना है कि वे नई गाड़ी लेने की खुशी में गुरु घर में मत्था टेकने के लिए अमृतसर आए थे।

दर्शन करने के बाद जब वे वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में 2 पुलिस कर्मचारियों ने उन्हें रोक लिया और गाड़ी के कागज चेक कराने के लिए कहा। परिवार ने बताया कि उन्होंने पूरी तरह सहयोग करते हुए सभी दस्तावेज दिखाए। यह परिवार गांव थोबा से आए थे। इसके बाद आरोप है कि पुलिस मुलाजिमों ने कहा कि उनके 5-6 चालान बनते हैं और हर चालान लगभग 5,000 रुपए का है। परिवार के अनुसार, यह सुनकर वे घबरा गए।

उन्होंने यह भी बताया कि उनके पास परिवार के चाय-पानी के लिए रखे सिर्फ 500 रुपए थे, जिन्हें भी पुलिस कर्मियों ने छीन लिए। पीड़ितों का कहना है कि यह कार्रवाई एक नाके के दौरान की गई और जिस गाड़ी से पुलिस आई थी, वह बुलेरो गाड़ी थी। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को अन्यायपूर्ण और दुखद बताया है।

वायरल वीडियो की होगी जांचः एडीसीपी ट्रैफिक

एडीसीपी ट्रैफिक अमनदीप कौर ने कहा कि जो वीडियो वायरल हो रही है, जिसमें एक थोबे गांव का परिवार गोल्डन टेंपल माथा टेकने आया था और उसके द्वारा पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

इसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया गया है और विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। इस मामले की पुष्टि करके आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ढकोली में 23 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत, नशे के ओवरडोज की आशंका

जीरकपुर/यूटर्न/24 अप्रैल। ढकोली स्थित कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में मंगलवार को एक 23 वर्षीय युवक को मृत अवस्था में लाए जाने का मामला सामने आया है। डॉक्टरों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सुमन रविदास के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार के कटिहार का रहने वाला था और फिलहाल जीरकपुर की बाजीगर बस्ती में परिवार के साथ रह रहा था। परिवार में उसकी मां, पत्नी और छह महीने की एक मासूम बेटी है। युवक की अचानक मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

इंजेक्शन से करता था नशा

परिजनों के अनुसार सुमन पिछले 2-3 वर्षों से नशे का आदी था और इंजेक्शन के माध्यम से नशा करता था। बताया जा रहा है कि करीब तीन दिन पहले उसने घर पर ही नशे का इंजेक्शन लिया था, जिसके बाद उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई।

अस्पताल लाने में हुई देरी

परिवार के मुताबिक हालत बिगड़ने के बावजूद उसे तुरंत अस्पताल नहीं ले जाया गया। परिजनों का कहना है कि उन्हें डर था कि अस्पताल जाने पर पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि जब उसकी हालत ज्यादा गंभीर हो गई, तब उसे ढकोली के कम्युनिटी हेल्थ सेंटर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा खुलासा

मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। शुरूआती तौर पर युवक की मौत का कारण नशे का ओवरडोज माना जा रहा है, लेकिन वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

Mrunal Thakur का सिजलिंग अवतार, हॉटनेस से इंटरनेट पर मचा बवाल

Mrunal इन दिनों अपनी सिजलिंग अदाओं से इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं। उनके लेटेस्ट लुक्स में कॉन्फिडेंस और ग्लैम का ऐसा तड़का है कि फैंस नजरें हटाने को तैयार ही नहीं। सोशल मीडिया पर उनके हर पोस्ट पर हॉटनेस की चर्चा तेज हो जाती है। कहा जा रहा है कि मृणाल अपने स्टाइल और फिटनेस पर खास फोकस कर रही हैं, जो साफ झलकता है। उनका ये बोल्ड और बिंदास अंदाज फैंस को और भी ज्यादा क्रेजी बना रहा है।

ईरान ने की पुष्टि, विदेश मंत्री अराघची पाकिस्तान जा रहे; आधिकारिक पुष्टि का इंतजार

चंडीगढ़/यूटर्न/24 अप्रैल। फरवरी के आखिर में शुरू हुए युद्ध ने ऊर्जा बाजारों को हिलाकर रख दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के लगभग बंद हो जाने से फारसी खाड़ी के प्रमुख तेल और गैस उत्पादकों से होने वाली आपूर्ति में भारी गिरावट आई है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी कफ्ठअ की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तान की यात्रा करेंगे, और उसके बाद ओमान और रूस जाएंगे। हालाँकि, अमेरिका के साथ शांति वार्ता का दूसरा दौर आयोजित करने के संबंध में ईरान की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने एक सरकारी सूत्र के हवाले से बताया कि अमेरिका की लॉजिस्टिक्स और सुरक्षा टीम पहले से ही इस्लामाबाद में मौजूद है। गुरुवार को ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर तब तंज कसा, जब उन्होंने भारत और चीन को नरक कहा। हैदराबाद स्थित ईरानी दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, चीन और भारत सभ्यता के पालने हैं। असल में, 'नरक' तो वह जगह है जहाँ के युद्ध-अपराधी राष्ट्रपति ने ईरान की सभ्यता को तबाह करने की धमकी दी थी। बुधवार देर रात ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, यहाँ पैदा होने वाला बच्चा तुरंत नागरिक बन जाता है, और फिर वे चीन, भारत या दुनिया के किसी अन्य 'नरक' से अपने पूरे परिवार को यहाँ बुला लेते हैं।

इज़रायल का लेबनान पर हमला

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इजरायल और लेबनान के बीच तीन सप्ताह के युद्धविराम विस्तार की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद, शुक्रवार को इजरायली युद्धक विमानों ने दक्षिणी लेबनान पर नए हमले किए। स्थानीय मीडिया के हवाले से अल जजीरा ने यह रिपोर्ट दी है। लेबनान 24 समाचार आउटलेट के अनुसार, दो हमलों में 'टौलाइन' शहर को निशाना बनाया गया, जबकि एक अन्य हमले में 'खिरबत सेल्म' पर वार किया गया।

अमेरिका ने तीसरा विमानवाहक पोत तैनात किया

गुरुवार को अमेरिकी सेना ने पुष्टि की कि विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश मध्य पूर्व पहुँच गया है। इसके साथ ही, इस क्षेत्र में तैनात विशाल अमेरिकी युद्धपोतों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। मध्य पूर्व की सुरक्षा के लिए ज़िम्मेदार सैन्य कमान ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, 23 अप्रैल को बुश हिंद महासागर में, अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अधिकार क्षेत्र वाले क्षेत्र में गश्त कर रहा था। इस पोस्ट में विमानवाहक पोत की एक तस्वीर भी थी, जिसका डेक युद्धक विमानों से खचाखच भरा हुआ था।

इजराइल और लेबनान ने सीजफायर बढ़ाया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को घोषणा की कि व्हाइट हाउस में बातचीत के बाद इजराइल और लेबनान ने अपने बीच सीजफायर को तीन हफ़्ते के लिए बढ़ाने पर सहमति जताई है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में इजराइल और लेबनान के राजदूतों के बीच हुई बैठक, जो पिछले एक हफ़्ते में दूसरी बैठक थी ₹बहुत अच्छी₹ रही। लेकिन ओवल ऑफि स में एक सभा के दौरान उन्होंने माना कि उन्हें हिज्बुल्लाह के बारे में भी सोचना होगा।

अलग अलग जगह तैनात किए पोत

एक अन्य विमानवाहक पोत, 'वरर जेराल्ड आर. फोर्ड', गुरुवार को लाल सागर में तैनात था, जबकि तीसरा विमानवाहक पोत, 'वरर अब्राहम लिंकन', भी इसी क्षेत्र में मौजूद है। तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर मध्य पूर्व में ऐसे समय में तैनात किया गया है, जब दो हफ़्ते से ज्यादा समय से सीजफायर चल रहा है। इस सीजफायर की वजह से ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल का विनाशकारी हवाई अभियान रुक गया है, जो फरवरी के आखिर में शुरू हुआ था।

ट्रंप ने ईरान पर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से इनकार किया

ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह ईरान के खिलाफ युद्ध में परमाणु हथियार का इस्तेमाल नहीं करेंगे। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं परमाणु हथियार का इस्तेमाल क्यों करूँगा? हमने बिना इसके ही, बहुत ही पारंपरिक तरीके से उन्हें पूरी तरह तबाह कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि किसी को भी परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने की इजाजत कभी नहीं दी जानी चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि वह ईरान के साथ लंबे समय तक चलने वाले शांति समझौते के लिए कितने समय तक इंतजार करने को तैयार हैं, तो ट्रंप ने कहा, मुझ पर जल्दबाजी मत करो।

ट्रंप ने कहा, ईरान के हथियारों को 'नष्ट कर सकते हैं'

ट्रंप ने कहा कि दो हफ़्ते के सीजफायर के दौरान ईरान ने अपने हथियारों का जखीरा थोड़ा-बहुत₹ बढ़ा लिया होगा, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना लगभग एक दिन में ही उन्हें नष्ट कर सकती है। ट्रंप ने आगे कहा, उनकी नौसेना खत्म हो चुकी है। उनकी वायुसेना खत्म हो चुकी है, उनके विमान-रोधी हथियार खत्म हो चुके हैं... हो सकता है कि दो हफ़्ते के इस अंतराल के दौरान उन्होंने थोड़ा-बहुत जखीरा बढ़ा लिया हो, लेकिन अगर उन्होंने ऐसा किया है, तो हम लगभग एक दिन में ही उसे नष्ट कर देंगे।

नगर परिषद दफ्तर में शॉर्ट सर्किट से मची अफरा-तफरी

दो घंटे तक ठप रहा कामकाज, बिजली सप्लाई बहाल होने पर लौटी रफ्तार

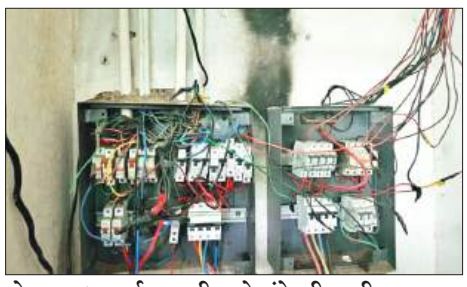

जीरकपुर/यूटर्न/24 अप्रैल। शुक्रवार को नगर परिषद कार्यालय की दूसरी मंजिल पर अचानक हुए शॉर्ट सर्किट ने कुछ समय के लिए पूरे दफ्तर में अफरा-तफरी मचा दी। जानकारी के अनुसार, मंजिल पर लगे एमसीबी बोर्ड में अचानक स्पार्किंग शुरू हो गई, जिससे वहां मौजूद कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। घटना के तुरंत बाद एहतियात के तौर पर दूसरी मंजिल की बिजली सप्लाई बंद कर दी गई, जिससे वहां का कामकाज पूरी तरह ठप हो गया। कई अधिकारी और कर्मचारी अपने काम छोड़कर बाहर आ गए और हालात सामान्य होने का इंतजार करते रहे। इस दौरान जरूरी फाइलों का निपटारा भी रुक गया, जिससे लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सूचना मिलते ही तकनीकी टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने पहुंचकर पूरे बिजली सिस्टम की गहन जांच की और खराब हुए एमसीबी बोर्ड सहित अन्य उपकरणों की मरम्मत शुरू की। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बिजली सप्लाई दोबारा बहाल कर दी गई, जिसके बाद दफ्तर का काम धीरे-धीरे सामान्य हो सका। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, इस हादसे ने कार्यालय की बिजली व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कर्मचारियों का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए नियमित जांच और सुरक्षा उपायों को और मजबूत किया जाना चाहिए।

हरमिलाप नगर फेस-3 में दूषित पानी से हाहाकार

सीवरेज मिला पानी पीने को मजबूर लोग, बच्चों में फूड पॉइजनिंग

जीरकपुर/यूटर्न/24 अप्रैल। हरमिलाप नगर फेस-3 इन दिनों एक गंभीर जनस्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है। पिछले एक सप्ताह से इलाके में पीने के पानी में सीवरेज का पानी मिलकर सप्लाई हो रहा है, जिससे हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। गंदा, बदबूदार और मटमैला पानी घरों तक पहुंच रहा है, जिसे मजबूरी में इस्तेमाल करने से लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, इस दूषित पानी के कारण बच्चों में फूड पॉइजनिंग के मामले सामने आ रहे हैं, जबकि महिलाएं और बुजुर्ग भी पेट संबंधी बीमारियों से ग्रस्त हो चुके हैं। प्रताप सिंह राणा, जसवीर सिंह, त्रिभुवन, राजकुमार, श्याम सिंह, संतोष, मीना, उषा देवी, पिंकी, शीला और तनु ने बताया कि स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि गली के लगभग हर घर में कोई न कोई बीमार है। लोग दवाइयों के सहारे काम चला रहे हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा।

निवासियों का कहना है कि इस संबंध में कई बार नगर परिषद को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक न तो कोई अधिकारी मौके पर पहुंचा और न ही पाइपलाइन की जांच कर समस्या को दूर करने का प्रयास किया गया। इससे लोगों में प्रशासन के खिलाफ भारी रोष है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma

तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।

Contact - +91 9814295372